sab ka sapna 04 March 2026:Layout 1 03-03-2026 21:18 Page 1

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

आईसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में मंधाना शीर्ष पर पहुंच पेज: 7

सनी देओल-बॉबी और अक्षय खन्ना के कमबैक पर फराह पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 323 | बुधवार 04 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

असम की सड़कों पर आधी रात तक उमड़ा हुजूम, सीएम हिमंत बोले- इस बार मिलेगा और मजबूत जनादेश

असम एजेंसी: असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने रविवार को आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जन आशीर्वाद यात्रा के दूसरे दिन जनता के "पूर्ण समर्थन" के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के लोग पिछले पांच वर्षों में भूमि अधिकार और रोजगार प्रदान करने के लिए खुले तौर पर उनका आभार व्यक्त कर रहे हैं। सरमा ने मीडियाकर्मियों से कहा कि मैं असम के लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। कल रात यह यात्रा 12:30 बजे तक चली और हर जगह लोग मौजूद थे। जनता ने अपना पूर्ण समर्थन दिया। असम के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हम एक मजबूत संदेश देना चाहते हैं कि हम सभी अवैध अतिक्रमणकारियों को बेदखल करेंगे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि लोग इतनी बड़ी संख्या में बाहर आएंगे।

गांधी परिवार पर भाजपा का 'वसूली' वाला प्रहार, व्हाट्सएप चैट दिखा कहा- टिकट के लिए मांगे 7 करोड़

सबूत के तौर पर कांग्रेस पदाधिकारियों से जुड़ी व्हाट्सएप चैट का

भाजपा ने गांधी-वड्रा परिवार पर हरियाणा विधानसभा चुनाव में टिकट के बदले 7 करोड़ रुपये की फिरौती मांगने का गंभीर आरोप लगाया है, और सबूत के तौर पर कांग्रेस पदाधिकारियों से जुड़ी व्हाट्सएप चैट का हवाला दिया है। पार्टी का दावा है

भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को कांग्रेस नेतृत्व पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि गांधी-वड्रा परिवार के सदस्यों ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान एक पार्टी कार्यकर्ता से 7 करोड़ रुपये की उगाही करने की कोशिश की। पार्टी ने दावा किया कि कथित व्हाट्सएप चैट से भ्रष्टाचार के प्रथम दृष्टया सबूत सामने आए हैं। दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से पूरा देश सिर्फ एक ही मुद्दे पर चर्चा कर रहा है: कि पूरी कांग्रेस पार्टी भ्रष्ट और मिलीभगत में बेनकाब हो गई है, और इस भ्रष्टाचार का सरगना गांधी-वड्रा परिवार है। भंडारी ने आरोप लगाया कि हरियाणा की बावल विधानसभा सीट के संबंध में प्रियंका गांधी वड्रा, राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ सबूत सामने आए हैं। भाजपा नेता के अनुसार, हरियाणा महिला कांग्रेस महासचिव के पति गौरव कुमार ने कुछ व्हाट्सएप चैट और बातचीत सार्वजनिक की हैं, जिनका संबंध कथित तौर पर कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारियों से है। भंडारी का दावा है कि इन चैट से पता चलता है कि वरिष्ठ नेताओं ने बावल विधानसभा का टिकट देने के बदले में 7 करोड़ रुपये की मांग की थी। उन्होंने केसी वेणुगोपाल का नाम लिया, जिन्हें राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा का करीबी सहयोगी बताया। इसके अलावा उन्होंने कोडिकुन्निल सुरेश और प्रियंका गांधी वाड्रा की निजी सहायक (पीए) सदाफ खान का नाम भी कथित बातचीत में लिया। उन्होंने कहा कि हरियाणा की कांग्रेस नेताओं में से एक ने खुद ही उन तथ्यों को उजागर किया है और सार्वजनिक किया है जिनमें व्हाट्सएप चैट के जरिए पता चलता है कि प्रियंका वाड्रा, सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने केसी वेणुगोपाल को मोहरे के तौर पर इस्तेमाल किया - वही केसी वेणुगोपाल जिन्हें राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा और गांधी परिवार का सबसे करीबी माना जाता है। उन्होंने केसी वेणुगोपाल को मोहरे के तौर पर इस्तेमाल करके कांग्रेस के एक कार्यकर्ता से 7 करोड़ रुपये की उगाही की - हम जिस शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं वह है 'उकसाना' - और वह कोई आम कार्यकर्ता नहीं बल्कि हरियाणा महिला कांग्रेस की महासचिव थीं। इसके बदले में उन्होंने बावल सीट देने का वादा किया था। उन्होंने आगे कहा कि वाड्रा की पीए सदाफ खान, वेणुगोपाल के पीए अनस और कोडिक्कुन्निल सुरेश से जुड़ी व्हाट्सएप चैट को सबूत के तौर पर सार्वजनिक किया गया। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह है कि आज आप सबके सामने सबूत आ गए हैं कि प्रियंका वाड्रा, केसी वेणुगोपाल और राहुल गांधी ने हरियाणा कांग्रेस के भीतर अपने ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं से 7 करोड़ रुपये लूटने की कोशिश की। और ये मामूली आरोप नहीं हैं; प्रियंका वाड्रा की पीए, सदफ खान, केसी वेणुगोपाल के पीए अनस और कोडिक्कुन्निल सुरेश से जुड़े व्हाट्सएप चैट सार्वजनिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पेश किए गए। ये सभी सार्वजनिक, लिखित व्हाट्सएप बातचीत हैं।

मध्य पूर्व में बढ़े तनाव के बीच पीएम मोदी का एक्शन, खाड़ी देशों के राष्ट्राध्यक्षों से साधा संपर्क

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को खाड़ी क्षेत्र के दो प्रमुख नेताओं से बात की और मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के बीच वहां के नागरिकों की सुरक्षा पर भारत के विशेष ध्यान को रेखांकित किया। ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक, कुवैत के युवराज शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह और कतर के प्रधानमंत्री शेख तमीम बिन हमद अल थानी से अलग-अलग फोन पर बातचीत हुई। बातचीत के दौरान, उन्होंने अपने-अपने देशों में हुए हालिया हमलों पर चिंता व्यक्त की और वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के कल्याण और सुरक्षा की रक्षा के महत्व पर बल दिया। सोमवार को इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने मध्य पूर्व के प्रमुख नेताओं

से अलग-अलग टेलीफोन पर बातचीत की, क्योंकि क्षेत्र में तनाव बढ़ गया था। राजा अब्दुल्ला द्वितीय से बातचीत में, मोदी ने अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष पर भारत की चिंता व्यक्त की। उन्होंने क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए भारत के समर्थन को दोहराया और जॉर्डन में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए राजा को धन्यवाद दिया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद और बहरीन के राजा हमद बिन ईसा अल खलीफा से बात की और दोनों देशों पर ईरान द्वारा किए गए हालिया हमलों की निंदा की। मोदी ने इन देशों में चल रही शत्रुता के बीच भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा के उपायों पर भी चर्चा की। भारतीय प्रधानमंत्री ने जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय से भी बात की और अपनी चिंता व्यक्त की। रविवार को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान में किए गए बड़े पैमाने पर सैन्य हमलों के बाद मध्य पूर्व में तनाव तेजी से बढ़ गया। ये हमले बैलिस्टिक मिसाइल ठिकानों और नौसैनिक पोतों को निशाना बनाकर किए गए, जो हाल के वर्षों में इस क्षेत्र के सबसे भीषण टकरावों में से एक है। ईरान के कई इलाकों में बड़े विस्फोटों की खबर मिली। तेहरान में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इमारतें हिल गईं और आसमान में घना धुआं उठ गया। ईरानी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अशांति शुरू होने के बाद से 700 से अधिक लोग मारे गए हैं,

दुबई में फंसे 164 महाराष्ट्रियों के लिए मसीहा बने एकनाथ शिंदे, 2 स्पेशल फ्लाइट्स से होगी घर वापसी

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बताया कि दुबई में फंसे महाराष्ट्र के 164 पर्यटकों और नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए दो विशेष उड़ानों की तत्काल व्यवस्था की गई है। इन सभी के शाम तक मुंबई लौटने की उम्मीद है। उन्होंने धुलीवंदन के अवसर पर बोलते हुए यह घोषणा की और राज्य के लोगों को त्योहार की शुभकामनाएं दीं। धुलीवंदन और रंगपंचमी के अवसर पर महाराष्ट्र के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए शिंदे ने कहा कि उन्होंने देवी जगदंबा के चरणों में प्रार्थना की कि सभी के जीवन में स्वास्थ्य, सुख और रंगों की वर्षा हो। उन्होंने कामना की कि किसान (बलिराज), मजदूर, श्रमिक, प्रिय भाई-बहन और वरिष्ठ नागरिक -

प्रत्येक व्यक्ति - आनंद से भरपूर हो। इस अवसर पर उन्होंने शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे और धर्मवीर आनंद दिघे को श्रद्धांजलि अर्पित की। आनंद दिघे के आनंद आश्रम का दौरा करते हुए उन्होंने ठाणे को "त्योहारों की पंढरी (पवित्र भूमि)" बताया। उन्होंने कहा कि आनंद दिघे ने ठाणे और पूरे महाराष्ट्र में गणेशोत्सव, नवरात्रि, गोविंदा, होली और धुलीवंदन जैसे त्योहारों की परंपराओं को स्थापित करने और फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हालांकि ये त्योहार हर साल उत्साह और धूमधाम से मनाए जाते हैं, लेकिन इस साल की होली-धुलीवंदन पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीतदादा पवार के दुखद निधन से धूमिल हो गई है। इसके अलावा, शिवसेना के कुछ करीबी कार्यकर्ताओं के परिवारों में घटी दुखद घटनाओं के कारण भव्य समारोहों से बचने और परंपराओं को सादगी से संरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह निर्णय सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करते हुए त्योहार को सादगी से मनाने के लिए लिया गया है। उन्होंने नागरिकों से धुलीवंदन और रंगपंचमी मनाते समय प्राकृतिक रंगों का उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि रासायनिक रंगों के उपयोग से बचने की सरकार की अपील को जनता से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है और रासायनिक रंगों का उपयोग काफी कम हो गया है।

बिहार में एनडीए का शक्ति प्रदर्शन, राज्य सभा की सभी सीटों पर जीत का दावा, 5 मार्च को नामांकन

बिहार एजेंसी: बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय साराओगी ने मंगलवार को घोषणा की कि राज्यसभा के लिए राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी उम्मीदवार 5 मार्च को नामांकन दाखिल करेंगे। निर्धारित मतदान 16 मार्च को होगा और एनडीए को सभी सीटों पर जीत का पूरा भरोसा है। एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा कि एनडीए के सभी उम्मीदवार 5 मार्च को अपना नामांकन दाखिल करेंगे और एनडीए के उम्मीदवार सभी सीटें जीतेंगे। इस बीच, भाजपा ने मंगलवार को आगामी राज्यसभा द्विवार्षिक चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, जिसमें छह राज्यों से नौ नामों को मंजूरी दी गई है। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह घोषणा पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने अपने नई दिल्ली स्थित मुख्यालय से की। बिहार से पार्टी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और शिवेश कुमार को चुना है। असम में

तेरश गोवाला और जोगेन मोहन उम्मीदवार हैं, जबकि छत्तीसगढ़ में लक्ष्मी वर्मा चुनाव लड़ेंगी। हरियाणा से संजय भाटिया उम्मीदवार हैं। ओडिशा से मनमोहन सामल और सुजीत कुमार पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे, और पश्चिम बंगाल से राहुल सिन्हा को चुना गया है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने घोषणा की है कि आगामी राज्यसभा द्विवार्षिक चुनावों के लिए मतदान 16 मार्च को होगा, उसी दिन शाम 5 बजे मतगणना शुरू होगी और यह प्रक्रिया 20 मार्च तक पूरी हो जाएगी। ये चुनाव 10 राज्यों - महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना - की 37 सीटों पर होंगे, जिनके पदाधिकारियों का कार्यकाल अप्रैल 2026 में समाप्त हो रहा है। चुनाव प्रक्रिया शुरू करने के लिए अधिसूचना 26 फरवरी को जारी की गई थी, जबकि नामांकन की अंतिम तिथि 5 मार्च, नामांकन पत्रों की जांच 6 मार्च और नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 9 मार्च है। बिहार भाजपा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और अन्य नेताओं के साथ होली मनाई। पार्टी अध्यक्ष संजय सरावगी ने इस दिन के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह बिहार और भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए

मध्य पूर्व संकट गहराया, विजयन की पीएम मोदी से अपील- खाड़ी में भारतीयों की सुरक्षा हो सुनिश्चित

नई दिल्ली एजेंसी: केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने रविवार को खाड़ी देशों में मौजूदा स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की और राज्य के प्रवासी भारतीयों पर इसके संभावित प्रभाव पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर केंद्र सरकार से खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीय नागरिकों, विशेषकर केरलवासियों के हितों की रक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक राजनयिक कदम उठाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों में मौजूदा स्थिति बेहद चिंताजनक है। केरल की बात करें तो इन देशों में बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय रहते हैं। इसलिए मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर खाड़ी क्षेत्र में चिंताओं को दूर करने के लिए उनके हस्तक्षेप का अनुरोध किया है। 28 फरवरी को ऑपरेशन एपिक फ्यूरी/लायंस रोर के तहत अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमले किए, जिनमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या कर दी गई। इसके अलावा, तसनीम समाचार एजेंसी ने बताया कि तेहरान में अमेरिका और इजराइल के आतंकवादी हमलों में कई उच्च पदस्थ ईरानी सैन्य कमांडरों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। एक बयान के अनुसार, अमेरिकी और इजराइली हमले में ईरान की रक्षा परिषद की बैठक में शहीद हुए लोगों में ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल अब्दोलरहीम मूसावी, इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कोर (आईआरसीजी) के कमांडर मेजर जनरल मोहम्मद पाकपुर, ईरान की रक्षा परिषद के सचिव अली शमखानी और ईरानी रक्षा मंत्री ब्रिगेडियर जनरल अजीज नासिरजादेह शामिल थे।

धामी सरकार के 4 साल: हरिद्वार में डबल इंजन की उपलब्धियां गिनाएंगे अमित शाह

उत्तराखंड: उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को हरिद्वार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 7 मार्च को प्रस्तावित दौरे की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरे के दौरान राज्य सरकार के चार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आगामी कार्यक्रम के बारे में बात करते हुए धामी ने कहा कि उत्तराखंड भर से, विशेषकर हरिद्वार के आसपास के क्षेत्रों से, बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यहां एक बड़ा कार्यक्रम है, और हरिद्वार के आसपास के क्षेत्रों और पूरे उत्तराखंड से लोग इसमें भाग लेंगे। हमारे प्रमुख कार्यकर्ता, पदाधिकारी और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत अन्य सभी लोग इसमें शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री के दौरे से पहले तैयारियों का जायजा लेने और सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की पुष्टि करने के लिए मौके का निरीक्षण किया। शाह राज्य में धामी के नेतृत्व

वाली सरकार के चार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेंगे। धामी ने आगे कहा कि कार्यक्रम में "दोहरे इंजन वाली सरकार" की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा और उत्तराखंड में हाल के वर्षों में शुरू की गई प्रमुख विकास पहलों पर प्रकाश डाला जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त, दोहरे इंजन वाली सरकार द्वारा हाल के वर्षों में किए गए कार्यों और उत्तराखंड राज्य की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाला एक कार्यक्रम भी होगा। लोगों में काफी उत्साह है और व्यापक तैयारियां चल रही हैं। आगामी चार धाम यात्रा के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने काफी पहले से तैयारियां शुरू कर दी थीं और अब व्यवस्थाएं अंतिम चरण में हैं। धामी ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि हमने चार धाम यात्रा की तैयारियां बहुत पहले शुरू कर दी थीं और अब तैयारियां अंतिम चरण में हैं। उन्होंने यात्रा के सुचारू रूप से संपन्न होने का आश्वासन दिया। उत्तराखंड में आगामी चार धाम यात्रा 19 अप्रैल से शुरू होने जा रही है। यात्रा का शुभारंभ 19 अप्रैल को यमुनात्री और गंगोत्री के द्वार खुलने के साथ होगा।

वो रात जब अजीत डोभाल पाकिस्तान में लगभग पकड़े गए थे, क्या है ऑपरेशन अभय जिससे लाहौर आज भी कांपता है

शख्स एक मध्यमवर्गीय हिंदू परिवार का लड़का जो भारत की खुफि या एजेंसी आईबी का अफसर है। इसका नाम है अजीत कुमार डोभाल और अगले 7 साल तक यह शख्स पाकिस्तान की जमीन पर दुश्मन की आंखों के सामने रहेगा।

नई दिल्ली एजेंसी: एक ऐसा भारतीय जो खुलेआम पाकिस्तान को एक और मुंबई के बदले बलूचिस्तान छीन लेने की चेतावनी देने से भी गुरेज नहीं करता। एक ऐसा जासूस जो लाहौर में सात साल मुसलमान बनकर देश की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहा हो। साल 1980 का दशक पाकिस्तान के सबसे संवेदनशील इलाकों में एक शख्स घूम रहा है। सिर पर टोपी, दाढ़ी, पठानी सूट और जुबान पर उर्दू, मस्जिदों में नमाज पढ़ता है। मदरसों में जाता है। आईएसआई के अफसरों से मिलता है। पाकिस्तानी सेना के ठिकानों के पास से गुजरता है। कोई उसे शक की नजर से नहीं देखता क्योंकि हर किसी को लगता है कि यह उन्हीं में से एक है। लेकिन यह शख्स पाकिस्तानी नहीं है। यह मुसलमान भी नहीं है। यह शख्स एक मध्यमवर्गीय हिंदू परिवार का लड़का जो भारत की खुफि या एजेंसी आईबी का अफसर है। इसका नाम है अजीत कुमार डोभाल और अगले 7 साल तक यह शख्स पाकिस्तान की जमीन पर दुश्मन की आंखों के सामने रहेगा। उनकी सबसे गहरी साजिशें सुनेगा। उनके सबसे बड़े राज चुराएगा और उन्हें पता तक नहीं चलेगा। यह कहानी किसी फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं है। पाकिस्तान के अंदर से सबूत जुटाने का काम अजीत डोभाल का जन्म 20 जनवरी 1945 को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में एक गढ़वाली राजपूत परिवार में

हुआ। पिता मेजर गुणानंद डोभाल ईंडियन आर्मी में थे। उनके घर में देशभक्ति हवा की तरह बहती थी। कोई सिखाता नहीं था। बस सांस के साथ अंदर आती थी। डोभाल वो बचपन से ही तेज दिमाग और कम बोलने वाले बच्चे थे। स्कूल में वह पढ़ाई में अव्वल थे। लेकिन किताबों से ज्यादा उनकी दिलचस्पी लोगों को पढ़ने में थी। कौन क्या सोच रहा है? 1980 का दशक भारत के लिए बेहद खतरनाक था। पाकिस्तान के डिक्टेटर जनरल जियाउल हक ने भारत के खिलाफ एक अघोषित युद्ध शुरू कर दिया था। आईएसआई ने पंजाब में खालिस्तान आंदोलन को हवा दे दी। हथियार, पैसा और ट्रेनिंग पाकिस्तान से आ रही थी। सीमा पार से आतंकवादी भारत में घुस रहे थे। 1984 में ऑपरेशन ब्लू स्टार हुआ। उसके बाद प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या हो गई। पूरा पंजाब जल रहा था और इसी द्वार में कश्मीर में भी अलगाववाद की चिंगारी भड़कने लगी थी। भारत की खुफि या एजेंसियों को पता था कि इन सबके पीछे पाकिस्तान का हाथ है। लेकिन सबूत चाहिए थे पाकिस्तान के अंदर से, उनके अपने ठिकानों से, उनकी अपनी जुबान से। और यह काम कोई सैटेलाइट नहीं कर सकती थी। इसके लिए किसी इंसान को पाकिस्तान की जमीन पर जाना था। डोभाल के लिए एक पूरी नई पहचान तैयार की गई किसी ऐसे इंसान को, जो पाकिस्तानी बन कर रह सके, जो मस्जिद में नमाज पढ़ सके, जो उर्दू इतनी अच्छी बोले कि कोई फर्क ना पकड़ पाए। जो दबाव में ना टूटे और जो अगर पकड़ा जाए तो मौत से पहले अपनी असली पहचान मिटा दे। इंटेलिजेंस ब्यूरो ने कई नामों पर विचार किया। लेकिन एक नाम बार-बार सामने आता रहा अजीत डोभाल क्योंकि डोभाल में वो सब कुछ था जो इस मिशन के लिए जरूरी था। डोभाल की उर्दू बेहद मजबूत थी। उनके चेहरे की बनावट ऐसी थी कि वो पश्तून या पंजाबी मुसलमान के रूप में आसानी से पास हो सकते थे। उन्हें इस्लाम की गहरी समझ थी। नमाज, रोजा, कलमा, कुरान की आयतें, सब कुछ। यह कोई रटी हुई जानकारी नहीं थी। डोभाल ने इसे इतनी गहराई से समझा था कि कोई आलिम भी उन्हें परख कर शक नहीं कर सकता था और सबसे अहम बात डोभाल डरते नहीं थे। मिजोरम के जंगलों में उन्होंने विद्रोहियों के बीच रहकर यह साबित कर दिया था कि जान की परवाह उनके डिक्शनरी में नहीं है।

sab ka sapna 04 March 2026:Layout 1 03-03-2026 21:18 Page 2

संपादकीय

आर्थिक उथल-पुथल

भले ही, दुनिया में चौधराहट बनाये रखने और साम्राज्यवादी मंसूबों को पूरा करने के लिए अमेरिका ने इस्त्राइल के साथ मिलकर ईरान पर युद्ध थोपा हो, मगर इस युद्ध के दूरगामी घातक परिणाम पूरी दुनिया को झेलने होंगे। इस संघर्ष ने पूरे पश्चिमी एशिया को गहरे संकट में डाल दिया है। तबाही के कगार पर खड़े ईरान ने जिस तरह अपने पड़ोसी देशों के व्यापारिक व औद्योगिक संस्थानों पर ताबड़-तोड़ हमले किए हैं, उससे मध्यपूर्व में बड़ा आर्थिक संकट पैदा हो गया है। लाखों लोगों के रोजगार पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। खासकर लाखों भारतीय कामगारों के लिये बड़ा संकट पैदा हो गया है। ईरान की जवाबी कार्रवाई से पश्चिमी एशिया में बढ़ते संकट से, इस क्षेत्र में आर्थिक उथल-पुथल मची हुई है। दुनिया के प्रमुख वैश्विक जहाजरानी मार्गों पर मंडरा रहे खतरे के बीच ऊर्जा बाजार की स्थिति पर गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास हुए हमलों के कारण कच्चे तेल और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस यानी एलएनजी की ढुलाई पहले ही बाधित हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति के लगभग पांचवें हिस्से के लिये एक रणनीतिक मार्ग है। लेकिन मौजूदा युद्ध से उपजे हालात में जहाज बीमा कंपनियों ने युद्ध-जोखिम कवरेज वापस ले लिया है। इसके चलते पेट्रोलियम पदार्थों व अन्य उत्पादों की माल ढुलाई लागत बढ़ रही है। युद्ध की विभीषिका के चलते तमाम जहाजों ने अपने मार्ग बदल लिए हैं। कुछ जहाज चलाने वाली कंपनियों ने अपने जहाजों के परिचालन पर रोक लगा दी है। इसका तात्कालिक परिणाम यह है कि कच्चे तेल की कीमतों में काफी उछाल देखा जा रहा है। जिसके चलते ब्रेंट क्रूड की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि देखी जा रही है। इसमें दो राय नहीं कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें आने वाले दिनों में विश्व स्तर पर मुद्रास्फीति के दबाव को बढ़ाएंगी। जाहिरा तौर पर विकासशील व गरीब देशों का आर्थिक संकट और गहरा हो जाएगा। वहीं दूसरी ओर विकासशील देशों की सरकारों के सामने विकास कार्यक्रमों के लिये वित्तीय संसाधन जुटाना अब एक बड़ी चुनौती होगी। वहीं इन देशों में केंद्रीय बैंकों के लिये भी मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन बनाये रखना मुश्किल हो जाएगा।

अमेरिका और इजराइल पर भारी पड़ा ईरान?

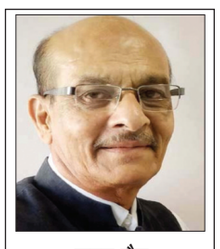

सनत जैन

ईरान पर इजराइल और अमेरिका द्वारा किए गए संयुक्त हमले के तीसरे दिन स्थिति बड़ी विकराल हो गई है। ईरान के सुप्रीमो लीडर खामेनेई की हत्या के बाद ईरान ने जिस तरह का पलटवार किया है, उससे दुनियां हैरान है। एक ही झटके में 13 देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानो पर ईरान ने हमला कर दिया। अमेरिका के सैन्य ठिकाने धू-धू कर-के जलने लगे। इन हमलों से मध्य पूर्व के इस्लामी देशों में बढ़ता तनाव एक बार फिर वैश्विक राजनीति के केंद्र में आ गया है।

ईरान ने अमेरिका और इजराइल के हमले का जवाब जिस तरह से दिया है, उसे देखते हुए अमेरिका और इजराइल भी हतप्रभ होकर रह गए हैं। पहली बार अमेरिका को पश्चिम एशिया के देशों में तनाव बढ़ने से अपने वर्चस्व को बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। ईरान की ओर से दावा किया गया है, उसने जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। बहरीन स्थित जुफैर बेस और कतर के अल उदैद एयरबेस जैसे ठिकानों पर किए गए हमले के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए जिनमें भारी नुकसान की तस्वीरें सामने आई हैं। इसके बाद सारी दुनिया में एक नई हलचल देखने को मिली। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने संकेत दिया है। क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने उसकी मिसाइलों के निशाने पर हैं। दूसरी ओर, कतर ने दावा किया, पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने संभावित हमलों को विफल कर बड़े नुकसान को रोका है। ऐसे परस्पर विरोधी दावों के बीच वास्तविक स्थिति का सही अंदाजा लगा पाना कठिन है। यह भी चर्चा है कि खाड़ी क्षेत्र के लगभग 13 देशों में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी है। तनाव बढ़ने पर वह भी अप्रत्यक्ष रूप से इस संघर्ष की चपेट में आ सकते हैं। ईरान ने जो फोटो और वीडियो जारी किए हैं उसके अनुसार 13 देशों के ठिकाने धू-धू करके जल रहे हैं। अभी तक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा ईरान के दावों को सत्यापित नहीं किया गया है। युद्धकालीन माहौल में सूचनाओं का प्रवाह तेज होता है, परंतु सत्यापन की जानकारी जुटाना बहुत मुश्किल होता है।

रणनीतिक दृष्टि से देखें, तो ईरान का मुकाबला दो परमाणु-सक्षम अमेरिका और इजराइल से है। इसके बावजूद तेहरान की त्वरित जवाबी क्षमता ने यह साबित कर दिया है। युद्ध के मैदान में सैन्य संतुलन एकतरफा नहीं है। चार दिन में ईरान इस युद्ध में अमेरिका और इजराइल को बराबरी से जवाब देने में सक्षम है।

सवाल यह है, क्या यह टकराव सीमित रहेगा या व्यापक वैश्विक युद्ध के रूप में परिवर्तित हो जाएगा? इस युद्ध की शुरूआत से ही कच्चे तेल की आपूर्ति, समुद्री मार्गों को ईरान द्वारा बाधित किए जाने से वैश्विक बाजारों पर इसका प्रभाव पहले ही चार दिनों में बड़े पैमाने पर दिखने लगा है।

विशेषज्ञों का मानना है, सैन्य शक्ति के प्रदर्शन से अधिक महत्वपूर्ण कूटनीतिक उपाय अपनाने की पहल तुरंत की जानी चाहिए। यदि संवाद के रास्ते नहीं खुले, तो दावों और प्रतिदावों के बीच पूरी दुनिया को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। दुनिया भर के शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। भारत का शेयर बाजार एक तरह से क्रेस हो गया है। खाड़ी देशों में भारत का निर्यात-आयात पिछले चार दिनों से एक तरह से बंद हो गया है। लगभग 90 लाख भारतीय खाडी के देशों में काम करते हैं। इसके अलावा दुबई में भी भारतीयों का भारी निवेश है। ईरान जिस तरह से यूएई को निशाना बना रहा है उसके कारण भारत की आर्थिक सामरिक एवं राजनीतिक स्थिति पर चुनौतियां स्पष्ट रूप से दिखने लगी हैं। अमेरिका ईरान युद्ध शुरू होने के बाद जिस तरह से भारत के शेयर बाजार में निवेशकों को लगभग 8 लाख करोड रुपए का नुकसान 1 दिन में उठाना पड़ा है, वैश्विक व्यवस्था में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में जो रोक लगी है, सारी दुनिया का आयात और निर्यात व्यापार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है, इसको लेकर आर्थिक विशेषज्ञों द्वारा यह आशंका जताई जा रही है कि यह युद्ध जल्द बंद नहीं हुआ तो सारी दुनिया के देश आर्थिक मंदी के शिकार हो जाएंगे।

इसके साथ-साथ तृतीय विश्व युद्ध जैसी स्थितियां बनते देर नहीं लगेंगी। सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है भारत स्वयं एक पार्टी बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजराइल दौरे के तुरंत बाद ईरान पर हमला किया गया है। भारत की विदेश नीति में अब भारत का झुकाव अमेरिका और इजराइल की तरफ है। ऐसी स्थिति में भारत के ईरान और खाड़ी देशों के साथ बेहतर संबंध होते हुए भी भारत की मध्यस्थ के रूप में कोई भूमिका सामने नहीं आ रही है। उल्टे इस युद्ध में भारत को युद्ध में शामिल नहीं होते हुए भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। खाड़ी के देशों में लगभग 90 लाख से ज्यादा भारतीय नागरिक कार्यरत है उनसे विदेशी मुद्रा भी भारत को मिलती थी अब उनकी जान जोखिम में है। कच्चे तेल और गैस के दामों में जिस तरह की तेजी देखने को मिल रही है, शेयर बाजारों में जिस तरह से गिरावट का दौर देखने को मिल रहा है उससे स्पष्ट हो गया है, इस युद्ध का असर भारत पर सबसे ज्यादा पड़ने वाला है। भारत सरकार को बहुत सजग रहने की जरूरत है।

राग, रंग, रस,संस्कृति और हर्षोल्लास का महापर्व-होली

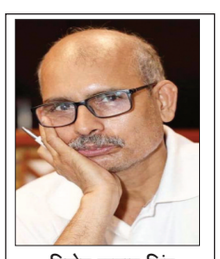

बिनोद कुमार सिंह

सदाआनंद रहें यही द्वारे, मोहन खेले होरी हो... भारत पर्व-त्योहारों का देश है -विविधताओं से भरा, .किंतु सांस्कृतिक आत्मा से एकसूत्र में गुँथा हुआ।इसी सांस्कृतिक चेतना के विराट आकाश में यदि कोई उत्सव अपनी बहुरंगी छटा,लोक ध्वनि,पौराणिक स्मृतियों और प्रेमरस की मधुरता के कारण सर्वाधिक जीवंत प्रतीत होता है, तो वह होली है।होली केवल रंगों का उत्सव नहीं,यह ऋतु-परिवर्तन का सांस्कृतिक विधान, लोकजीवन का उत्स, संगीत और किंदन्तियों का आलोक तथा सामाजिक समरसता का सजीव प्रतीक है।

फाल्गुन के आगमन के साथ जब शीत ऋतु की कठोरता शिथिल पड़ती है,आम्र-मंजरियों की सुगंध वातावरण में घुलती है और प्रकृति नवयौवन से दीप्त होती है, तब भारतीय जनमानस में होली की स्मृतियाँ और परम्पराएँ जाग उठती हैं। यह केवल मौसम का परिवर्तन नहीं,जीवन के नवोन्मेष का संकेत है-जड़ता से चेतना की ओर, संकुचन से विस्तार की ओर।होली का पौराणिक आधार भारतीय मानस में गहरे प्रतिष्ठित है।भक्त प्रह्लाद,असुरराज हिरण्यकशिपु और होलिका की कथा धर्म और अधर्म, आस्था और अहंकार के शाश्वत संघर्ष की प्रतीक है।फाल्गुन पूर्णिमा की रात्रि को प्रज्ज्वलित होलिका- दहन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं,अपितु आत्मशुद्धि और सामाजिक चेतना का संस्कार है। अग्नि की परिक्रमा करते समय व्यक्ति अपने अंतःकरण की नकारात्मकताओं को त्यागने और सत्य, करुणा तथा नवजीवन का संकल्प लेने का भाव जगाता है।कृषि-संस्कृति से जुड़े समाज में यह पर्व नई फसल के स्वागत का भी प्रतीक रहा है।खेतों की हरियाली, श्रम की सार्थकता और सामूहिक उल्लास - ये सब होली की अग्नि में मानो संस्कारित होते हैं। इस प्रकार होली केवल पौराणिक स्मृति नहीं, ग्रामीण जीवन की धड़कन भी है।

ब्रजभूमि में होली का स्वरूप विशिष्ट सांस्कृतिक आयाम ग्रहण करता है। मथुरा,वृंदावन और बरसाना की होली भारतीय लोकपरम्परा का सजीव उदाहरण है। यहाँ यह उत्सव केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि राधा-कृष्ण की प्रेमलीलाओं की सांस्कृतिक पुनर्रचना है।बरसाना की लठमार होली में स्त्रियाँ पारम्परिक परिधान धारण कर लाठियों के साथ प्रतीकात्मक नृत्य-नाट्य प्रस्तुत करती हैं और पुरुष ढाल लेकर उस रसपूर्ण परम्परा को निभाते हैं।यह आयोजन केवल हास्य-परिहास नहीं, लोकनाट्य की सशक्त अभिव्यक्ति है,जिसमें प्रेम का अल्हड़पन और सामाजिक संवाद का सहज स्वर मिलता है।

वृंदावन के मंदिरों में फूलों की होली का विशेष महत्व है। पुष्पवर्षा के बीच गाए जाने वाले होरी-गीत वातावरण को भक्ति और श्रृंगार-रस से परिपूर्ण कर देते हैं। ह्लआज बिरज में होरी रे रसियाह्व जैसे पद केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्मृति के संवाहक हैं।उनमें राधा का मान, कृष्ण की चंचलता, गोपियों की अनुरक्ति और ब्रज की रसमयी चेतना सजीव हो उठती है।

होली के साथ जुड़ी एक अन्य किंदन्ती शिव-पार्वती से भी सम्बद्ध है। फाल्गुन की मादकता में जब कामदेव ने भगवान शिव की तपस्या भंग करने का प्रयास किया,तब शिव के तृतीय नेत्र की ज्वाला से उसका दहन हुआ।किंतु रति के करुण विलाप से प्रसन्न होकर शिव ने उसे अनंग रूप में पुनर्जीवन दिया। इस कथा में काम,संयम और करुणा का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है - जो होली के प्रेमरस को एक आध्यात्मिक आधार प्रदान करता है।

भारतीय शास्त्रीय संगीत में भी होरी का विशिष्ट स्थान है।धमार,ठुमरी और दादरा जैसी शैलियों में होली के पदों का गायन होता रहा है। श्रृंगार और भक्ति का यह अद्भुत संगम भारतीय संगीत परम्परा की गहराई को दशार्ता है।लोक और शास्त्र का यह सेतु ही हमारी सांस्कृतिक पहचान है।

उत्तर भारत में फाग या फगुआ के नाम से प्रचलित लोकगीत होली की आत्मा हैं।ढोलक,मंजीरा और झांझ की थाप पर गूँजते ये गीत समाज को एक सूत्र में बाँधते हैं। अवध में चौताल और धमाल की परम्परा,बिहार और पूर्वांचल में फगुआ की विशिष्ट शैली, राजस्थान में गेर नृत्य - ये सभी होली के विविध रंग हैं।पंजाब में आनंदपुर साहिब में आयोजित होला मोहल्ला सामुदायिक अनुशासन और शौर्य का प्रतीक है।पश्चिम बंगाल में डोल पूर्णिमा के अवसर पर कीर्तन और सांस्कृतिक शोभायात्राएँ इस पर्व को भक्ति और संगीत से आलोकित करती हैं।इस प्रकार क्षेत्रीय विविधताएँ मिलकर राष्ट्रीय एकता का विराट स्वर रचती हैं।प्रकृति से जुड़ी रंग-परम्परा भी होली की विशिष्ट पहचान रही है।टेसू या पलाश के फूलों से केसरिया रंग,गुलाब और कचनार की पंखुड़ियों से गुलाल,हल्दी और चंदन का प्रयोग - ये सब केवल सौंदर्य के लिए नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और पवित्रता के प्रतीक थे।रंगों की यह सृष्टि प्रकृति के प्रति संवेदन शीलता और सामूहिक श्रम की संस्कृति को पुष्ट करती थी।

सामाजिक दृष्टि से होली समता और संवाद का पर्व है।रंग लगाने की परम्परा यह संदेश देती है कि बाह्य भेद अस्थायी हैं; अंतःकरण का प्रेम ही शाश्वत है।ग्रामीण समाज में इस अवसर पर पुराने विवाद भुलाकर मेल-मिलाप की परम्परा रही है।समय के साथ होली का स्वरूप परिवर्तित अवश्य हुआ है। शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली ने इसकी अभिव्यक्ति को नया रूप दिया है - तेज ध्वनि वाले संगीत,कृत्रिम रंग और भव्य आयोजनों के माध्यम से।किंतु इसके मूल में स्थित प्रेम, उल्लास और सांस्कृतिक चेतना आज भी अक्षुण्ण है।

ब्रज की रसमयी होली,बरसाने की लठमार परम्परा,अवध का फाग,बिहार का फगुआ,राजस्थान की गेर,पंजाब का होला और बंगाल की डोल-ये सभी मिलकर होली को राष्ट्रीय सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बनाते हैं।विविधता में एकता का यह स्वरूप भारतीय संस्कृति की आधारशिला है।फाल्गुन की मदमस्त बयार में जब ढोलक की थाप और फाग के स्वर गूँजते हैं,तब प्रतीत होता है कि होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय समाज की सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। इसमें पौराणिक स्मृति,लोककला, संगीत,प्रकृति और सामाजिक समरसता का अद्भुत सामंजस्य दिखाई देता है।

इसीलिए होली सदियों से हमारी सांस्कृतिक धारा में अविरल प्रवाहित है और आगे भी प्रेम,राग और रस के साथ समाज को एक सूत्र में बाँधती रहेगी-मानो हर द्वार पर यही मंगल कामना गूँजती रहेः

'सदाआनंद रहें यही द्वारे, मोहन खेले होरी हो।'

युद्ध नहीं, शांति ही बदलती दुनिया की अनिवार्य अपेक्षा

नई बनती दुनिया का चेहरा जितनी तेजी से बदल रहा है, उतनी ही तेजी से वैश्विक असुरक्षा की भावना भी गहराती जा रही है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं है, बल्कि वह एक ऐसे वैश्विक असंतुलन का संकेत है जिसमें शक्ति संतुलन की पुरानी व्यवस्थाएं टूट रही हैं और नई विश्व-व्यवस्था अभी स्थिर रूप नहीं ले सकी है। जब महाशक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष युद्ध में उतरती हैं, तब उसका प्रभाव सीमाओं से परे जाकर समूची मानवता को प्रभावित करता है। ऊर्जा बाजार, आपूर्ति श्रृंखलाएं, मुद्रा विनिमय दरें, शेयर बाजार, खाद्य सुरक्षा, शांतिपूर्ण मानव जीवन और कूटनीतिक समीकरण-सब कुछ अनिश्चितता के घेरे में आ जाता है। मध्यपूर्व में किसी भी बड़े युद्ध का पहला असर तेल आपूर्ति पर पड़ता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाली वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति यदि बाधित होती है तो तेल की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देश के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती लेकर आती है-एक ओर आयात बिल बढ़ता है, दूसरी ओर महंगाई और राजकोषीय दबाव में वृद्धि होती है। यदि कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं तो परिवहन, उर्वरक, बिजली और विनिर्माण लागत में वृद्धि अनिवार्य है, जिसका सीधा असर आम नागरिक की जेब पर पड़ता है। वैश्विक वित्तीय बाजार पहले ही अनिश्चितता से जूझ रहे हैं, ऐसे में लंबा खिंचता युद्ध निवेश और विकास की गति को भी धीमा कर सकता है।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल दो देशों का संघर्ष नहीं, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था की परीक्षा है। ऐसे समय में युद्ध को तेज करने के बजाय उसे रोकने की कोशिशों को और अधिक गति देने की आवश्यकता है। दोनों पक्षों से परिपक्वता और संयम की अपेक्षा है, विशेषकर अमेरिका से, जो स्वयं को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में देखता है और जिसे शक्ति के साथ-साथ जिम्मेदारी का भी परिचय देना चाहिए। एक तेल उत्पादक देश के रूप में ईरान का अस्तित्व और स्थिरता विश्व अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है; वहां की अस्थिरता ऊर्जा बाजार से लेकर विकासशील देशों की वित्तीय संरचना तक को प्रभावित कर सकती है। हालिया हमलों में सैकड़ों लोगों के मारे जाने, हजारों के घायल होने और बड़ी संख्या में लोगों के फंसे होने की खबरें मानवता के लिए गहरी चिंता का विषय हैं। ईरान में शीर्ष नेतृत्व पर हमलों और उसके बाद तेहरान आदि मुस्लिम देशों की तीखी प्रतिक्रियाओं ने पश्चिम एशिया के हालात को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा; इसका प्रभाव दक्षिण एशिया की भू-राजनीति, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, वैश्विक कूटनीतिक संतुलन और विश्व अर्थव्यवस्था पर दूरगामी होगा।

युद्ध आर्थिक संकट ही नहीं लाता, वह सामाजिक ताने-बाने को तोड़ता है, सांस्कृतिक संवाद को बाधित करता है और राष्ट्रों के बीच अविश्वास की दीवारें ऊंची करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि बदलती दुनिया में सह-अस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की भावना को पुनर्जीवित किया जाए। शक्ति प्रदर्शन के स्थान पर समझदारी, प्रतिशोध के स्थान पर कूटनीति और वर्चस्व के स्थान पर साझी जिम्मेदारी-इन्हीं मूल्यों से विश्व को स्थिरता मिल सकती है। यह संघर्ष केवल आर्थिक नहीं, बल्कि वैचारिक और भू-राजनीतिक भी है। यूक्रेन संकट के बाद विश्व पहले ही ध्रुवीकरण की दिशा में बढ़ चुका था। अब यदि पश्चिम एशिया में स्थायी अस्थिरता पैदा होती है तो वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए संतुलन साधना कठिन हो जाएगा। भारत एक ओर अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ा रहा है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा संबंध भी रहे हैं। इसके साथ ही इजरायल के साथ रक्षा और तकनीकी सहयोग भी मजबूत हुआ है। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ खुलकर खड़े होना भारत की बहुस्तरीय विदेश नीति के लिए जटिल प्रश्न बन सकता है।

भारत की विशेष चिंता यह भी है कि मध्यपूर्व में लगभग 90 लाख भारतीय कार्यरत हैं। यदि युद्ध की आग फैलती है तो न केवल उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ेगी, बल्कि भारत को मिलने वाली अरबों डॉलर की प्रेषण राशि पर भी प्रभाव पड़ेगा। इसके अतिरिक्त, लाल सागर और खाड़ी क्षेत्र में समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ने से व्यापारिक शिपमेंट महंगे हो सकते हैं। यह परिस्थिति भारत के विकास पथ पर दबाव डाल सकती है, जो अभी विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है। ऐसे समय में भारत की भूमिका केवल एक प्रभावित राष्ट्र की नहीं, बल्कि एक संभावित मध्यस्थ और संतुलनकर्ता की भी हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्षों में बहुध्रुवीय कूटनीति की जो नीति अपनाई है, वह इसी प्रकार की जटिल परिस्थितियों में उपयोगी सिद्ध हो सकती है। भारत ने एक ओर अमेरिका के साथ सामरिक साझेदारी को सुदृढ़ किया है, वहीं रूस से ऊर्जा सहयोग बनाए रखा है और पश्चिम एशिया के देशों के साथ भी संतुलित संबंध कायम रखे हैं। यह ह्यरणनीतिक स्वायत्तताह्व की नीति भारत को किसी एक खेमे में बंधने से बचाती है। भारत का यह दृष्टिकोण उसे संवाद और शांति प्रयासों के लिए विश्वसनीय मंच प्रदान कर सकता है।

भारत इस समय ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, जिसमें ईरान भी सदस्य बन चुका है। यह मंच वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त करने का अवसर देता है। यदि भारत इस मंच के माध्यम से युद्धविराम, संवाद और बहुपक्षीय समाधान की पहल करता है, तो वह न केवल अपनी कूटनीतिक विश्वसनीयता बढ़ा सकता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता में भी योगदान दे सकता है। संयुक्त राष्ट्र की निष्क्रियता या सीमित प्रभाव के बीच मध्यम शक्तियों की भूमिका बढ़ना स्वाभाविक है। भारत, जो स्वयं उपनिवेशवाद और शीत युद्ध की राजनीति से सीख लेकर उभरा है, शांति-आधारित बहुपक्षवाद का पक्षधर बन सकता है। दूसरी ओर, दक्षिण एशिया में भी चुनौतियां कम नहीं हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और आंतरिक अस्थिरता का प्रभाव भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन पर पड़ सकता है। यदि पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ती है और साथ ही दक्षिण एशिया में भी उथल-पुथल होती है, तो भारत को दो मोर्चों पर रणनीतिक सतर्कता रखनी होगी। आतंकवाद, कट्टरता और अवैध हथियारों का प्रसार ऐसे वातावरण में बढ़ सकता है। अतः भारत के लिए यह समय केवल आर्थिक प्रबंधन का नहीं, बल्कि सुरक्षा और कूटनीतिक संयम का भी है।

समाधान क्या हो सकता है? प्रथम, युद्धविराम और संवाद की बहुपक्षीय पहल को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वैश्विक शक्तियों को यह समझना होगा कि स्थायी शांति केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि राजनीतिक समझौते और पारस्परिक सम्मान से आती है। द्वितीय, ऊर्जा आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोतों और नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश को तेज करना होगा, ताकि तेल-निर्भरता कम हो और भू-राजनीतिक संकटों का असर सीमित किया जा सके। तृतीय, वैश्विक संस्थाओं का पुनर्गठन आवश्यक है, ताकि वे केवल महाशक्तियों के प्रभाव का साधन न बनकर न्यायपूर्ण और प्रभावी मंच बन सकें। चतुर्थ, क्षेत्रीय संवाद मंचों-जैसे ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। भारत के लिए भी यह अवसर है कि वह ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व की अपनी परंपरा को व्यवहार में उतारे। शांति, सहअस्तित्व और संवाद का संदेश केवल भाषणों तक सीमित न रहकर ठोस कूटनीतिक पहलों में दिखना चाहिए। यदि भारत ऊर्जा विविधीकरण, रक्षा आत्मनिर्भरता, डिजिटल और हरित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाता है, तो वह वैश्विक संकटों के बीच भी स्थिरता बनाए रख सकता है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सक्रियता-चाहे वह बहुपक्षीय मंचों पर भागीदारी हो या क्षेत्रीय देशों के साथ प्रत्यक्ष संवाद-भारत की अस्मिता और हितों की रक्षा के प्रयास का संकेत देती है।

निश्चित तौर पर युद्ध किसी भी देश के लिए स्थायी लाभ का माध्यम नहीं बन सकता। इतिहास गवाह है कि शक्ति-प्रदर्शन से अस्थायी विजय मिल सकती है, किंतु स्थायी शांति केवल न्याय, संवाद और सहयोग से ही आती है। नई बनती दुनिया को यदि स्थिर और मानवीय बनाना है, तो उसे हथियारों की दौड़ से आगे बढ़कर सहअस्तित्व की संस्कृति अपनानी होगी। भारत, जो स्वयं विविधता और सहिष्णुता का प्रतीक है, इस परिवर्तन का अग्रदूत बन सकता है। चुनौती बड़ी है, किंतु अवसर भी उतना ही व्यापक है-शर्त यह है कि विश्व नेतृत्व युद्ध की भाषा छोड़कर शांति की भाषा सीखे और भारत अपने संतुलित, स्वायत्त और दूरदर्शी दृष्टिकोण से इस वैश्विक उथल-पुथल में स्थिरता का स्तंभ बने।

चिंतन-मनन

सफलता चाहिए तो पहले ये सीखें

किसी भी काम में लगन का अपना महत्व होता है, सफलता आपकी एकाग्रता पर ही निर्भर करती है। आप संसार को पाने की दौड़ में हो या परमात्मा को, जब तक हम ध्यान लगाकर काम नहीं करेंगे कभी ठीक परिणाम नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि आप पहले अपने मन को एकाग्र करें, फिर सफलता खुद आपको मिल जाएगी।

एक बार की बात है। राजा एक बार युद्ध पर गया। शाम के समय युद्ध के बाद राजा अपने युद्ध के बाद शिविर से थोड़ी दूर जाकर एक वीरान स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गया ताकि उसे थोड़ी शांति मिल सके। अभी राजा नदी के किनारे पर बस ध्यान की मुद्रा में बैठा ही था। वहां से एक युवती दौड़ती हुई निकली, जिसका ध्यान उस ओर तक ना गया कि राजा बैठा है। ना जाने कहां जाने की जल्दी थी। वह राजा से टकराती हुई निकल गई। राजा का ध्यान भंग हो गया उसे बहुत गुस्सा आया। उसने तुरंत शिविर में लौटकर आदेश दिया। उस औरत को ढूंढ कर लाया जाए जिसने ये गुस्ताखी की है। उस युवती को इतना भी नहीं दिखा कि देश का राजा ध्यान में बैठा है और वह उसे कुचलती हुई चली जा रही है।

सिपाही गए और थोड़ी ही देर में उस युवती को पकड़कर ले आए। राजा ने उस युवती से कहा- बदतमीज लड़की इतना भी नहीं जानती कि ध्यान में बैठे हुए व्यक्ति को इस तरह धक्का लगाकर उसका ध्यान भंग करना कितना बड़ा पाप है। उस युवती ने राजा को पहले ऊपर से नीचे तक देखा और कहा - आपको धक्का लगा जरूर होगा लेकिन मुझे याद नहीं। मैं अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मुझे कुछ नहीं पता कि आप कहां ध्यान लगा रहे थे लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तो अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी।

मेरा ध्यान सिर्फ अपने प्रेमी से मिलने पर केंद्रित था। मुझे पता ही नहीं चला कि आप परमात्मा के ध्यान में बैठे हैं। आपको मेरा पता चल गया? राजा को उसकी बात समझ आ गई और उसने उसे छोड़ दिया। क्योंकि यह साबित हो गया थी कि राजा के मन में वह समर्पण का भाव नहीं था जो उस प्रेमिका में था। उसके प्रेम में वह तीव्रता और वलंतता थी जिसने राजा को सोचने पर मजबूर कर दिया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

sab ka sapna 04 March 2026:Layout 1 03-03-2026 21:18 Page 3

अमरोहा
बुधवार 04 मार्च 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

धनौरा में घर में घुसकर महिला से मारपीट व तोड़फोड़,चार पर केस दर्ज

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा में एक महिला से उसके घर में घुसकर कुछ दबंगों ने मारपीट करते हुए तोड़फोड़ कर डाली। इसके बाद पीड़ित महिला ने धनौरा क्षेत्र अधिकारी से शिकायत करते हुए न्याय की गुहार लगाई है ,जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में चार लोगों पर केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच में जुटी हुई है।

बता दें कि धनौरा थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार, हैवतपुर चौधरियान निवासी इमराना पत्नी शौकीन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 1 फरवरी को उसके ही परिवार के बदलूद्दीन और उसके तीन बेटों–नाजिर, सिराज व निजामू ने उसके घर में घुसकर अंदर से कुंडी लगा ली। आरोपियों ने इमराना के साथ मारपीट की और उसके घर की दीवार व गेट तोड़ दिए।महिला की चीख-पुकार बाहर न जा सके, इसके लिए आरोपियों ने घर में जनरेटर चला दिया था। मोहल्ले के लोगों के इकट्ठा होने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।इस घटना से जुड़ा एक और मामला सामने आया है। आरोप है कि इसी विवाद को लेकर 1 फरवरी को ही ग्राम प्रधान पति एहसान मंसूरी पर भी हमला किया गया था। एहसान मंसूरी पीड़िता इमराना का पक्ष ले रहे थे, जिससे नाराज होकर आरोपियों ने उन्हें घायल कर दिया था।पीड़िता का आरोप है कि शुरूआत में स्थानीय पुलिस ने उसकी शिकायत पर ध्यान नहीं दिया और न ही उसका मेडिकल कराया। उच्चाधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद अब आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 333 (घर में घुसकर चोट पहुँचाना), 115(2), 352, 351(3) और 324(4) के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है।मामले की निष्पक्ष जांच एसआई (SI) संजीव कुमार तोमर को सौंपी गई है।

पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

खेत में काम कर रही महिला पर गुलदार का जानलेवा हमला, हालत गंभीर

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के मुरलीवाला फार्म में खेत पर काम कर रही एक महिला पर गुलदार ने अचानक हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला के शोर मचाने पर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर किसी तरह उसकी जान बचाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला खेत में कृषि कार्य कर रही थी, तभी झाड़ियों से निकलकर आए गुलदार ने उस पर हमला बोल दिया। अचानक हुए हमले से महिला चीखने लगी, जिसकी आवाज सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण दौड़ पड़े। ग्रामीणों के शोर मचाने पर गुलदार मौके से भाग गया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। ग्रामीणों ने तत्काल उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अफजलगढ़ पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार को पकड़ने और क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है। वहीं सूचना मिलने पर संबंधित विभागीय टीम को भी अवगत करा दिया गया है।फिलहाल महिला का उपचार जारी है और गांव में भय का माहौल व्याप्त है।

अमरोहा में गश्त कर रहे सिपाही पर गंडासे से हमला,सिपाही गंभीर रूप से घायल

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में होली पर्व से पहले सुरक्षा व्यवस्था के तहत गश्त कर रहे एक सिपाही पर युवक ने गडासे से हमला कर दिया। हमले में सिपाही राहुल गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

बता दें कि घटना बीती देर रात अमरोहा नगर के मोहल्ला छेवड़ा के पास हुई। गश्त पर निकले सिपाही राहुल पर युवक ने धारदार हथियार से अचानक हमला कर दिया, जिससे उनके कंधे और कान पर गंभीर चोटें आईं। वारदात के बाद आसपास मौजूद लोगों ने साहस दिखाते हुए आरोपी युवक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। आरोपी को हिरासत में लेकर कोतवाली में पूछताछ की जा रही है।वहीं, सीओ सिटी अभिषेक यादव ने बताया कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। आरोपी ने हमला क्यों किया, इसके पीछे क्या वजह है, इसकी गहन पड़ताल की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल आरोपी पुलिस हिरासत में है।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी युवक अपना नाम तक नहीं बता रहा है और प्रथम दृष्टया मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत हो रहा है। फिलहाल हमले के पीछे का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है।

नगर पालिका परिषद में होली मिलन समारोह का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- शहर की नगर पालिका परिषद परिसर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में नगर पालिका की चेयरपर्सन शशि जैन तथा अधिशासी अधिकारी ने कर्मचारियों, सभासदों और स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों के साथ मिलकर होली मनाई। समारोह में सभी ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल से जमकर होली खेली। होली के प्रसिद्ध गीतों पर ईओ के साथ कर्मचारी और सभासद उत्साह से थिरके, नाचे और मस्ती में डूब गए। यह देखकर खुशी हुई कि कार्यक्रम में शामिल स्थानीय लोग सांप्रदायिक सौहार्द की जीती-जागती मिसाल पेश की। साथ ही विभिन्न समुदायों के लोगों एक साथ मिलकर त्योहार मनाया, जो अमरोहा की सद्भावना की परंपरा को मजबूत करता है। चेयरपर्सन शशि जैन ने इस अवसर पर सभी को होली की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि अमरोहा शहर के निवासी हमेशा एक-दूसरे के त्योहारों पर भाईचारे और आपसी प्रेम की मिसाल कायम करते आए हैं। उन्होंने कहा कि सौहार्द की इसी भावना को बनाए रखते हुए इस बार भी होली पूरे उल्लास और उत्साह से मनाई गई। यह पर्व न केवल रंगों का त्योहार है, बल्कि प्रेम, सद्भाव और एकता का प्रतीक भी है। कार्यक्रम के दौरान वातावरण रंगों, संगीत और हंसी-ठिठोली से भरा रहा।

नगर पालिका के इस आयोजन ने शहरवासियों में होली के प्रति नया उत्साह जगाया और सामाजिक एकता को मजबूत किया। अमरोहा में ऐसे समारोह साबित करते हैं कि त्योहारों के माध्यम से समाज और मजबूत होता है।

जिलाधिकारी ने होली पर्व की दीं शुभकामनाएं

आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ मनाएं रंगों का त्योहार

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने होली पर्व पर जनपदवासियों को होली की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्योहार जीवन में हर्षोल्लास का प्रतीक है। होली के विविध रंग अनेकता में एकता की संस्कृति के परिचायक हैं। एक साथ बिखरे हुए रंग हमारी संस्कृति एवं गंगा-जमुनी तहजीब को और मजबूती प्रदान करते हैं। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि आइए हम सभी समरसता, आपसी भाईचारे एवं सद्भाव के साथ आगे बढ़ते हुए राष्ट्र की उन्नति में भागीदार बनें। सुरक्षित होली खेलें। संभव हो हर्बल रंगों का प्रयोग करें।

होली का पर्व विशेष चर्चा में, 2 दिन हो रही है होलिका दहन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में इस बार होली का पर्व विशेष चर्चा में है, क्योंकि फाल्गुन पूर्णिमा पर चंद्र ग्रहण का साया पड़ गया है। 3 मार्च 2026 को साल का पहला पूर्ण चंद्र ग्रहण लग रहा है, जो होली के दिन ही पड़ रहा है। यह ग्रहण दोपहर करीब 3:20 बजे शुरू होकर शाम 6:47 बजे तक रहा। ग्रहण के कारण सूतक काल सुबह 6:20 बजे से शाम 6:47 बजे तक प्रभावी रहा, जिससे मंदिरों के कपाट बंद रहे, पूजा-अर्चना और मांगलिक कार्य वर्जित रहे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ग्रहण के दिन शुभ कार्य नहीं किए जाते। इसलिए अमरोहा में होलिका दहन मुख्य रूप से 2 मार्च की शाम प्रदोष काल में शाम 6:20 से रात 9 बजे तक किया गया। जिले में 1141 स्थानों पर होलिका दहन की व्यवस्था थी, जहां पुलिस की सख्त निगरानी रही। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, जिसमें ड्रोन से निगरानी भी शामिल थी। लोग आपसी सौहार्द और शांति के साथ त्योहार मनाने की अपील पर अमल कर रहे हैं। 3 मार्च को ग्रहण के कारण धार्मिक गतिविधियां प्रभावित रहीं, लेकिन शाम ग्रहण समाप्त होने के बाद लोग होली के उत्साह में डूब गए।

महिलाओं ने विधि-विधान से होलिका पूजन किया, शहर-गांवों में रंगों की मस्ती छाई। रंगों वाली होली मुख्यतः 4 मार्च को खेली जाएगी। जिले में शांतिपूर्ण माहौल रहा, लोग बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश लेकर मिलजुलकर होली मना रहे हैं।

पूर्व सैनिकों का एसपी कार्यालय पर प्रदर्शन, कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी

बिजनौर (सब का सपना):- पुरैना गांव में पूर्व सैनिक के साथ हुई मारपीट की घटना को लेकर पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन के सैकड़ों सदस्यों ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नामजद आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। मामला चांदपुर तहसील के ग्राम पुरैना का है, जहां 18 फरवरी को पूर्व सैनिक ब्रजपाल सिंह पर कुछ लोगों ने कथित रूप से धारदार हथियारों से हमला कर जानलेवा प्रयास किया था। घटना में गंभीर रूप से घायल ब्रजपाल सिंह का उपचार कराया गया, लेकिन अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से पूर्व सैनिकों में रोष है।मंगलवार को बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, ग्रामीण और पीड़ित परिवार के सदस्य एसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि नामजद होने के बावजूद आरोपियों पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्रदर्शन के दौरान पूर्व सैनिकों ने कहा कि यदि एक पूर्व सैनिक को न्याय नहीं मिल सकता तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता कर चार दिन का समय मांगा और आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारी शांतिपूर्वक लौट गए, हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि तय समय में कार्रवाई न होने पर वे फिर से आंदोलन करेंगे। प्रदर्शन में ब्रजपाल सिंह की पत्नी मिथिलेश देवी, पूर्व सैनिक सुरेश चंद्र, लवकुश कुमार, प्रमोद कुमार, नरेश कुमार, जितेश कुमार, तरुण शेहरावत, देवेंद्र, संतोषी, जय सिंह, प्रधान गोपाल शरण, प्रीतम सिंह, टीकम सिंह, नरेंद्र सिंह, आमोद कुमार, सूरजमल, जगदेव सिंह, वीरेंद्र एडवोकेट, अवधेश कुमार, जसवीर सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गजरौला पुलिस ने धारा 170 के तहत पांच लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली पुलिस ने धारा 170 बीएनएसएस के तहत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इन सभी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। यह कार्रवाई अमरोहा के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत की गई।अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में गजरौला पुलिस ने इन गिरफ्तारियों को अंजाम दिया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान कपिल पुत्र स्वरूप सिंह (निवासी जगदेवपुर, गजरौला), सुरेंद्र सिंह पुत्र प्रभुदयाल (निवासी मायापुरी, गजरौला), अरविंद कुमार पुत्र तेजपाल सिंह, सिवेक पुत्र सुभाष सिंह (दोनों निवासी ग्राम चंकूनी, थाना सैद नगली) और गजेंद्र पुत्र सीताराम (निवासी टीकोवाली, गजरौला, जिला अमरोहा) के रूप में हुई है।थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हिरण को अपनी कहानी स्वयं लिखनी होगी

अलीगढ़ (सब का सपना):- सम्यक संस्कृति साहित्य संघ अलीगढ़ उत्तर प्रदेश द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन एक मार्च को शाम 6 बजे से 8 बजे तक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म गूगल मीट के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम का विषय साहित्य में महिलाओं की स्थिति और भूमिका रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिता भारती ने की तथा संचालन एन प्रीति बौद्ध ने किया। कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा करने के लिए अनिता भारती को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने साहित्य में स्त्रियों के मुद्दों पर विस्तृत रूप से चर्चा की। अनिता भारती ने कहा कि समाज में जिस प्रकार महिलाओं की स्थिति है उसी प्रकार साहित्य में भी महिलाओं की स्थिति है। समाज की पितृ सत्तात्मक मानसिकता के कारण महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया है जबकि महिलाओं ने आजादी की लड़ाई से लेकर वर्तमान समय तक समाज को अपनी भूमिका से अवगत करवाया है। वर्तमान समय में महिलाओं की स्थिति को समझना होगा और उन्हें अधिक सशक्त बनाने की जरूरत है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति वरिष्ठ कथाकार डॉ. पूरन सिंह ने अनिता भारती की बातों से सहमति प्रकट करते हुए एक सवाल खड़ा किया कि हमारे समाज की महिलाएँ स्वयं ही अपने अधिकारों के प्रति सजग नहीं हैं तथा वे स्वयं सामाजिक दायरे से निकलने में संकोच करती हैं। उन्होंने एक उदाहरण के माध्यम से महिलाओं की स्थिति को समझाया कि वे महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए जागरूक रहने की जरूरत है । डॉ. शंकर लाल ने अपनी कविता के माध्यम से साहित्य और समाज में महिलाओं की स्थिति और भूमिका को समझाया । कार्यक्रम में दिल्ली से जुड़ी वरिष्ठ सामाजिक कार्यकत्री एवं कवियित्री पुष्पा विवेक ने महिलाओं के बीच किए गए अपने कार्यों और अनुभवों को साझा किया। इन्होंने बताया कि अगर महिलाओं की स्थिति और समस्याओं को जानना है तो आपको सर्वप्रथम शहर की चकाचौंध छोड़कर गांवों का दौरा करना होगा और उनके बीच बैठकर उनकी समस्याओं को जानना होगा तब जाकर हम महिलाओं की स्थिति और समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास कर सकेंगे। अंत में उन्होंने अपनी कविता का पाठ किया। कार्यक्रम में सूक्ष्म कायला ने भी अपनी कविता का पाठ किया जिसे सभी ने सराहा। महिलाओं के मुद्दे पर शालिनी रतन लाल ने भी अपने विचार व्यक्त किये। डॉ. अजय कुमार चौधरी ने साहित्य में महिलाओं की स्थिति और भूमिका पर विस्तार से अपनी बात रखी,उन्होंने बताया कि अगर हम महिलाओं के प्रति संवेदनशील हैं तो उन्हें समाज में सम्मान देना होगा, उन्होंने बताया कि हमें महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी वह तभी संभव है जब हम उनके कार्यों का मूल्यांकन करना होगा,उन्हें अपने साहित्य में शामिल करना होगा उनके साहित्य को अपने साहित्य में शामिल करना होगा तब जाकर समाज में महिलाओं के प्रति सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। महाराष्ट्र से जुड़ी प्रज्ञा बाली ने साहित्य में महिलाओं की स्थिति और भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि हमारे स्वयं के परिवार वाले तक नहीं चाहते कि हम समाज में बेखौफ होकर अपनी बात रखें तो फिर समाज हमें कैसे स्वीकार करेगा। कोई भी कार्य की शुरूआत घर से होती है लेकिन जब घर में ही महिलाओं को विरोध का सामना करना पड़ता है तो उन्हें सामाजिक स्वीक्रति कैसे मिलेगी। काव्य पाठ करने वाले अन्य कवियों में इंदु रवि,मदन लाल,रितु कुमारी अनीता श्रीवास्तव,ईश्वर चंद्र,आर एस आघात, एवं एन प्रीति बौद्ध शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन - आर एस आघात, (प्रचार सचिव - सम्यक संस्कृति साहित्य संघ, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश) ने दिया तथा सभी का आभार व्यक्त किया।

sab ka sapna 04 March 2026:Layout 1 03-03-2026 21:18 Page 4

संक्षिप्त डायरी

जन्मदिन पार्टी के दौरान चली गोली में किशोर की मौत

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के कृष्णा नगर थाना इलाके में सोमवार देर शाम को जन्मदिन पार्टी मना रहे एक किशोर की गोली लगने से मौत हो गई। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। परिवार की तहरीर पर पुलिस ने किशोर के तीन दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण ने बताया कि कृष्णा नगर थाना पुलिस को सूचना मिली कि सरोजिनी नगर के ट्रांसपोर्ट नगर निवासी जमीर का बेटा उनैज (12) को जन्मदिन की पार्टी मनाने के लिए उसके दोस्त उसे अपने साथ लेकर गए थे। थोड़ी देर बाद खबर मिली कि गोली लगने से उनका बेटा घायल हो गया है, जिसे इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल भेजा गया हैं। परिजन मौके पर पहुंचे तो देखा कि उनके बेटे की मौत हो गई हैं। परिजनों ने इसे हत्या बताते हुए तीन युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया हैं। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

ट्रैक्टर-टवेरा की भीषण टक्कर, चार गंभीर घायल

प्रयागराज, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित बारा थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात ट्रैक्टर और टवेरा वाहन के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि टवेरा का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक वाहन के अंदर फंस गया। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए वाहन का दरवाजा तोड़कर चालक को बाहर निकाला, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि ट्रैक्टर और टवेरा की आमने-सामने टक्कर में चार लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी स्थिति की निगरानी की जा रही है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है तथा आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

चंद्रग्रहण के चलते मां विंध्यवासिनी मंदिर के कपाट रहेंगे बंद

मीरजापुर, (एजेंसी)। चंद्रग्रहण को देखते हुए मंगलवार को मां विंध्यवासिनी मंदिर के कपाट निर्धारित अवधि तक बंद रहेंगे। ग्रहण समाप्ति के बाद विधि-विधान से पूजन-अर्चन और आरती के उपरांत श्रद्धालुओं को दर्शन-पूजन की अनुमति दी जाएगी। श्रीविंध्य पंडा समाज के अध्यक्ष पंकज द्विवेदी ने बताया कि सूतक काल के कारण मंदिर के कपाट दोपहर 3 बजकर 15 मिनट से रात 8 बजे तक, कुल 4 घंटे 45 मिनट के लिए बंद रहेंगे। इस दौरान मंदिर परिसर में नियमित पूजा-पाठ स्थगित रहेगा। उन्होंने बताया कि शास्त्रीय परंपराओं के अनुसार ग्रहण के समय मंदिरों के द्वार बंद कर दिए जाते हैं। ग्रहण समाप्त होने के बाद शुद्धिकरण और विशेष पूजन के पश्चात ही दर्शन की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ की जाती है। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय का ध्यान रखते हुए दर्शन की योजना बनाएं, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर बस ने कार में मारी टक्कर, 6 की मौत

हाथरस (एजेंसी)।। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में यमुना एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर बस ने आगे चल रही ईको कार में टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। मृतक धौलपुर राजस्थान के बताए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 141 पर मंगलवार तड़के करीब 4 बजे दिल्ली से गोरखपुर जा रही एक निजी डबल डेकर बस ने आगे चल रही इको वैन कार को टक्कर मार दी। कार सवार सभी लोग दिल्ली से राजस्थान के राजाखेड़ा धौलपुर जा रहे थे। हादसे में छह लोगों की जान चली गई। इनमें चार लोगों की पहचान हो गई। मृतकों में दिनेश उनकी पत्नी सुनीता, विजय और उनकी पत्नी पिंकी बघेल के रूप में हुई। दो लोगों की शिनाख्त अब तक नहीं हो पाई है। सभी गंगोली, राजाखेड़ा राजस्थान के बताए जा रहे हैं। हादसे में इको चालक वीरेंद्र भी घायल है। इनके अलावा राजाखेड़ा के ही मनोज, आर्यन, अंशु, मृतक विजय का बेटा लक्ष्य, बेटी प्राची और उनकी साली पूनम बघेल घायल हैं। घायलों को खंदौली थाना क्षेत्र के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिए गया हैं। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में हादसा तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण हुआ प्रतीत हो रहा है। बस चालक से पूछताछ की जा रही है।

घर में फांसी के फंदे से लटकी मिली महिला की लाश

अमेठी, (एजेंसी)। अमेठी जिले के पीपरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सवनगी गांव में मंगलवार की सुबह एक महिला की लाश अपने ही घर में फांसी के फंदे से लटकती मिली। सूचना पर पहुंची थाने की पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पीपरपुर थाना प्रभारी श्रीराम पांडेय ने बताया कि सवनगी गांव में युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलने पर तत्काल घटनास्थल पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर परिवार स पूछताछ की। मृतक महिला का नाम करिश्मा पाल (27) है। उसकी अप्रैल 2025 में जनपद सुलतानपुर के थाना धम्मौर अंतर्गत नरहरपुर गांव में हुई थी। मायके पक्ष का कहना है कि ससुराल से कुछ अनबन चल रही थी इसीलिए करिश्मा पिछले नवंबर माह से अपने मायके में ही रह रही थी। फिलहाल घटना के कारणों की जानकारी स्पष्ट रूप से अभी प्राप्त नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मिनी ट्रक पलटने से पत्नी की मौत, पति घायल

अमेठी, (एजेंसी)। कमरौली थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग पर गढ़ा गांव के पास मंगलवार को साइकिल से दवा लेने बाजार जा रहे दंपति के ऊपर अनियंत्रित मिनी ट्रक पलटा। हादसे में पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति गंभीर रूप से घायल हो गया है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस आवश्यक वैधानिक कार्रवाई में जुटी हुई है। कमरौली थाना प्रभारी मुकेश कुमार पटेल ने बताया कि सूबेदार का पुरवा मजरेबहुआ गांव निवासी वसीम अपनी पत्नी अनवरी (60)को साइकिल पर बैठाकर घर से दवा लेने के लिए निकले थे। वे अभी गढ़ा गांव के पास पहुंचे थे, तभी लखनऊ से सुल्तानपुर की ओर जा रही मिनी ट्रक पलट गया। उसके नीचे दबकर अनवरी की मौत हो गई और वसीम घायल हो गये। चालक वाहन छोड़कर भाग गया। घटना पर कुछ समय के लिए आवागमन बाधित हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घायल को ट्रामा सेंटर जगदीशपुर में भर्ती कराया। वाहन को रास्ते से हटाकर आवागमन पूरी तरह से बहाल कराया गया।

बेफिक्र होकर उपचार कराएं, सरकार देगी भरपूर आर्थिक सहायता : मुख्यमंत्री योगी

-जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर में 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

गोरखपुर, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने आए लोगों को आश्वस्त किया कि वे बेफिक्र होकर अच्छे अस्पताल में उपचार कराएं। सरकार उनको भरपूर आर्थिक सहायता देगी। मुख्यमंत्री ने इसे लेकर अधिकारियों को निर्देशित भी किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। होलिकोत्सव मनाने के लिए सोमवार को गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 150 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों के पास जाकर, एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। समस्याओं के निस्तारण के लिए लोगों को आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को भरोसा दिया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का प्रभावी समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं, ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में एक व्यक्ति ने किडनी की बीमारी में धन की कमी आड़े आने की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले उससे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। कार्ड न होना बताए जाने पर उन्होंने कहा कि चिंता मत करिए। इलाज के लिए पर्याप्त आर्थिक मदद मिलेगी। अन्य कई लोग भी गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। योगी ने सभी को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी। विवेकाधीन कोष से आर्थिक सहायता दी जाएगी। जनता दर्शन में कुछ परिजनों के साथ उनके बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने सभी को स्नेहिल आशीर्वाद के साथ चॉकलेट दीं और खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

शराबी ने बड़े भाई को पीट-पीटकर उतारा मौत के घाट, गिरफ्तार

औरैया, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के फफूंद थाना क्षेत्र के कुडिया अमेला गांव में बड़े भाई लालू की पीट-पीटकर हत्या करने वाले छोटे भाई गुड्डू यादव को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर लिया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पारिवारिक विवाद में रविवार को मारपीट में बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया था और अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई थी। जानकारी के अनुसार कुडिया अमेला निवासी राजेंद्र सिंह यादव के तीन पुत्र थे। सबसे बड़ा बेटा दीपु करीब 20 वर्ष पहले लापता हो गया था। दूसरा बेटा लालू (32) दिल्ली में निजी नौकरी करता था और होली के चलते एक सप्ताह पहले घर आया था। सबसे छोटा बेटा गुड्डू गांव में रहकर खेती करता है और उसे शराब पीने का आदी बताया जा रहा है। रविवार रात शराब के नशे में गुड्डू ने मां से गाली-गलौज शुरू कर दी। बड़े भाई लालू ने इसका विरोध किया तो दोनों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया और गुड्डू ने लालू को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद परिजन और पड़ोसियों की मदद से लालू को एंबुलेंस से सीएचसी दिबियापुर ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर सैफई रेफर कर दिया गया। आर्थिक तंगी के कारण परिजन उसे वापस घर ले आए। सोमवार शाम पैसों की व्यवस्था होने पर पत्नी निशा और मां उर्मिला देवी उसे सैफई लेकर जा रही थीं, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। मृतक अपने पीछे छह वर्षीय पुत्र ऋषव, चार वर्षीय बेटी परी और दो वर्षीय बेटी वैष्णवी को छोड़ गया है। परिवार में कोहराम मचा हुआ है। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने मंगलवार को बताया कि मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी गुड्डू यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दो चचेरे भाइयों को डंपर ने रौंदा, दोनों की मौत

महोबा, (एजेंसी)। कानपुर सागर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहां तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार दो भाइयों को कुचल दिया,दर्दनाक हादसे में दोनों भाइयों की मौत हो गई । जबकि बाइक के परखच्चे उड़ गए । त्यौहार पर हुए हृदय विदारक हादसे से मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। खुशियों के त्यौहार पर घर में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा । मंगलवार को सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। मध्य प्रदेश के छतरपुर जनपद के लवकुश नगर थाना क्षेत्र स्थित रामपुरा गांव निवासी मुन्ना कुशवाहा (40) अपने चचेरे बड़े भाई अनंतराम (45) पुत्र के साथ सोमवार को बाइक से बेटे के लिए खुजली की देशी दवा लेने के लिए महोबा जिले के मकरबई गांव गए थे। जहां से वह दवा लेकर वापस घर लौट रहे थे तभी रास्ते में कानपुर सागर राष्ट्रीय राजमार्ग में काली पहाड़ी के पास तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवारों को बुरी तरह कुचल दिया, जिसमें बाइक सवार दोनों चचेरे भाइयों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। खुशियों के त्यौहार के बीच एक ही परिवार में एक साथ दो मौतें होने से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। तो वहीं इलाके में शोक की लहर दौड़ गई ।

हर्बल रंग अपनाएं, केमिकल रंगों से दूरी बनाएं : डॉ. युगल राजपूत

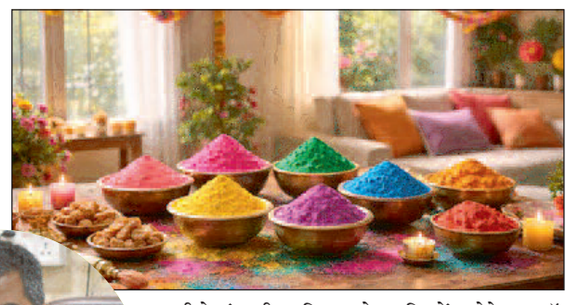

कानपुर, (एजेंसी)। रंगों और उमंग से भरे पर्व होली के दौरान थोड़ी सी असावधानी त्वचा और सेहत के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। बाजार में बिकने वाले केमिकल युक्त रंग कई बार एलर्जी, जलन और खुजली जैसी दिक्कतें पैदा कर देते हैं। ऐसे रंग आंखों में चले जाने पर सूजन और जलन की समस्या भी बढ़ सकती है। इसे लेकर मेडिकल कॉलेज के चर्म रोग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. युगल राजपूत से बातचीत की गई। भड़कीले रंग दिखने में अच्छे, असर में नुकसानदेह होली में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी में खासा उत्साह रहता है। लोग एक-दूसरे को गुलाल और रंग लगाकर त्यौहार की खुशियां साझा करते हैं। चिकित्सकों के अनुसार, बाजार में हर्बल रंगों के साथ-साथ रासायनिक तत्वों से बने चमकीले रंग भी खुलेआम बिक रहे हैं। ये रंग देखने में आकर्षक लगते हैं, लेकिन इनमें मौजूद केमिकल त्वचा की ऊपरी परत को प्रभावित करते हैं। कई बार इनसे त्वचा पर लाल चकत्ते, जलन, खुजली और रूखापन जैसी समस्याएं उभर आती हैं, जो आगे चलकर उपचार की जरूरत पैदा कर सकती हैं। होली खेलने से पहले और बाद में रखें खास ध्यान मेडिकल कॉलेज के चर्म रोग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. युगल राजपूत ने मंगलवार को बताया कि होली खेलने पर कोई रोक नहीं है, लेकिन एहतियात बरतना जरूरी है। रंग खेलने से पहले पूरे शरीर पर मॉइस्चराइजर, नारियल, सरसों या जैतून का तेल अथवा कोल्ड क्रीम लगाने से रंग त्वचा में गहराई तक नहीं जमते और बाद में उन्हें हटाना आसान हो जाता है। उन्होंने बताया कि रंग हटाने के लिए बार-बार साबुन या डिटर्जेंट का इस्तेमाल करने से त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है, जिससे जलन और खिंचाव बढ़ सकता है। ऐसे में हल्के क्लींजर या घरेलू उपाय जैसे दही का उपयोग अधिक सुरक्षित माना जाता है। इसके अलावा जिन लोगों को सांस या दमा से जुड़ी परेशानी रहती है, उन्हें उड़ते रंगों से दूरी बनाए रखनी चाहिए, क्योंकि ये रंग सांस की नली में पहुंचकर तकलीफ बढ़ा सकते हैं। होली के दौरान आंखों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें और रंग आंखों में चले जाने पर तुरंत साफ पानी से धो लें। इन बातों का रखें खास ध्यान होली खेलने से पहले पूरे शरीर पर मॉइस्चराइजर या तेल जरूर लगाएं। चेहरे पर हल्की क्रीम या सुरक्षित सिल्वर कलर का प्रयोग किया जा सकता है। केमिकल रंगों से बचें, हर्बल रंगों को प्राथमिकता दें। रंग छुड़ाने के लिए त्वचा को जोर से न रगड़ें। साबुन और डिटर्जेंट का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल न करें। सांस व दमा से पीड़ित लोग रंगों से दूरी बनाए रखें। चेहरे से रंग हटाने के लिए दही जैसे घरेलू उपाय अपनाएं। रंग आंखों में चले जाएं तो तुरंत साफ पानी से धोएं।

खेती करते समय दुर्घटना, ग्रामीणों ने जताया शोक

ट्रैक्टर हादसे ने छीनी एक और किसान की जिंदगी

बिजनौर (सब का सपना):- मंडावली थाना क्षेत्र के ग्राम शेखपुरा आलम में खेत पर काम करते समय ट्रैक्टर पलट जाने से एक किसान की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार संजीव कुमार पाल (40) पुत्र मेहर सिंह पाल अपने खेत में कृषि कार्य कर रहे थे। इसी दौरान अचानक ट्रैक्टर असंतुलित होकर फिसल गया और पलट गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा उन्हें आनन-फानन में एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि संजीव कुमार पाल किसान सहकारी समिति विजयपुर के संचालक भी थे और क्षेत्र में एक सक्रिय एवं मिलनसार व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे। उनके आकस्मिक निधन से ग्रामीणों में गहरा दुख है। घटना की सूचना मिलते ही मंडावली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। इस दुखद घटना पर शिवगंगा हॉस्पिटल के एमडी चौधरी देवेंद्र सिंह, ग्राम प्रधान भागीरथ सिंह, भाजपा नेता चौधरी ईशम सिंह, किसान यूनियन नेता नवीन पाल, अनुज कुमार, भोला सिंह, डॉ. इदरीस अहमद, चौधरी नरपाल सिंह, देवराज सिंह, रोबिन राणा और कृष्ण पाल सिंह सहित अनेक सामाजिक व राजनीतिक व्यक्तियों ने शोक व्यक्त किया है। ग्रामीणों ने मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता दिलाए जाने की भी मांग की है।

होली पर विधायक को कवि ने सुनायी 'विकास की गाथा' कविता

वाराणसी, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में नगवा क्षेत्र की शिवपुरी कॉलोनी निवासी चन्द्रनाथ ओझा के आवास पर मंगलवार को कैंट विधानसभा से विधायक सौरभ श्रीवास्तव पहुंचे और होली की अग्रिम शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कवि चन्द्रनाथ ओझा ने विधायक सौरभ श्रीवास्तव को होली पर विकास की गाथा कविता सुनायी। कविता कैंट क्षेत्र काशी का प्रतिनिधि हरिश्चंद्र का लाल, डॉ. ज्योत्स्ना का तपः पुत्र, विधायक नहीं- धमाल..., यह पंक्तियां सुनकर विधायक प्रसन्नचित हुए और उन्होंने कवि को धन्यवाद ज्ञापित किया। कवि चन्द्रनाथ ओझा ने कविता को आगे बढ़ाते हुए कहा कि रिकॉर्ड मतों से जीता, सबने विश्वास जताया, जन-जन सेवा का मोदी धर्म, श्री सौरभ ने अपनाया। बीएचयू, बरेका, गंगा से अस्सी-वरुणा तक छाए, छित्तूपुर-भगवानपुर तक सेवा दीप जलाए। मंडुवाडीह अब बना बनारस, ट्रेनों का उद्गम स्थान, आए दिन शूटिंग से गूँजे, चहुँओर क्षेत्र महान। क्षेत्र के वासी बाढ़ न झेलें-भागीरथ प्रयास किया, फ्लेपर गेट से बाढ़ को रोका, जन-मन में विश्वास भरा। एच.एफ.एल हो या विपदा कोई, सबका उद्धार करें, कृत्य आपका ऐसा निखरे, जन-जन आपसे प्यार करें। ओज-तेज से भरा हो जीवन, परिवार सदा सानंद रहे

होली पर्व : बलिया के गड़हांचल में फूहड़ता से दूर युवा-बुजुर्ग मिलकर संभाल रहें फाग की विरासत

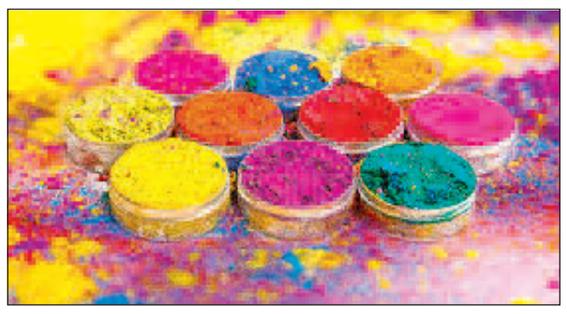

बलिया,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में होली के अवसर पर गाया जाने वाला फाग अध्यात्म और दर्शन का मिला जुला स्वरूप है। जनपद बलिया में बिहार से सटे गड़हांचल के नाम से मशहूर क्षेत्र में पुरनियों ने फाग गीतों की समृद्ध विरासत को सहेजने के साथ-साथ उससे नई पीढ़ी को जोड़ने का बखूबी काम किया है। इलाके के भरौली गांव में पारम्परिक गीतों को फूहड़ता और आधुनिकता से बदरंग होने से बचाते हुए वसंत पंचमी के बाद से हर शाम दलानों में बुजुर्गों और नौजवानों के सजे गोल में परंपरागत वाद्य 'डाफ' पर जब पूरे जोश से थाप पड़ती है तो उम्र कहीं पीछे छूटती नजर आने लगती है। डाफ के साथ 'झाल' की झंकार से तरंगित ऊर्जा श्रोताओं को रोमांचित कर देती है। हालांकि, होली की समृद्ध परंपरा के वाहक कलाकार फाग की जगह लेते जा रहे फूहड़ गीतों से बेहद आहत हैं। उनका मानना है कि ग्रामीण संस्कृति और परंपराओं को बचाए रखने के लिए फाग गीतों का चलन जारी रहना चाहिए। एक ओर जहां मोबाइल, सोशल मीडिया और डिजिटल मनोरंजन ने लोगों को खुद तक सीमित कर दिया है। वहीं, उत्तर प्रदेश के बलिया एक ऐसा इलाका है, जहां होली की समृद्ध परम्परा फाग युवाओं को भी जोड़े हुए है। 'बिरज में हरि होरी मचाई, इतसे आवत नवल राधिका, उत से कुंवर कन्हाई। खेलत फाग परस्पर हिल मिल, शोभा बरनी न जाई, घरे-बाजत बधाई...।' इस तरह के गीत होली के दस दिन पहले से गड़हांचल के गांवों में सुनाई देने लगते हैं। इन्हें गाने वाले वाले कलाकार चर्चित नहीं बल्कि गांव-घर के पुरनिया हैं। इनके 'गोल' में युवाओं की मौजूदगी उम्मीद जगाती है कि यह समृद्ध परंपरा आगे बढ़ती रहेगी। भरौली गांव में होली से पहले और उसके बाद बुढ़वा मंगल तक हर शाम गुझिया-मिठाई और चाय-नमकीन के साथ-साथ 'ठंडई' के बीच फाग की स्वर लहरिया खूब आकर्षित करती हैं। सैकड़ों सालों से चली आ रही अपनी इस समृद्ध विरासत पर भरौली के लोगों ने हिन्दुस्थान समाचार से बात की। वर्तमान दौर में होली गीतों के नाम पर परोसी जा रही अश्लीलता से आहत वयोवृद्ध अक्षय कुमार राय ने कहा कि होली सिर्फ रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह सामाजिक समरसता और हमारी परंपराओं का प्रतीक पर्व है। वसंत पंचमी से ही ग्रामीण इलाकों में फाग गायन शुरू हो जाता है जो होली के बाद मंगलवार (बुढ़वा मंगल) तक होता है। उन्होंने कहा कि यह परम्परा सिर्फ भरौली में ही नहीं है। गड़हांचल और उसके आसपास के गांवों में भी पीढ़ी दर पीढ़ी कायम है। मशहूर भोजपुरी गायक गोपाल राय के पिता शिवनारायण राय गामा ने कहा कि पहले गांव-गांव में वसंत पंचमी के बाद से ही फाग सुनाई देने लगता था। रात में चोपाल सजती थी, ढोल-नगाड़े चजते थे और 'सदा आनंद रहे एहि द्वारे, मोहन खेले होली' जैसे गीत गूंजते थे। उन्होंने बताया कि हमारे गांव में नारदीय रामायण गायन की परंपरा भी बहुत पुरानी है। सुखद है कि इस परंपरा को आगे बढ़ाने में युवा भी सहयोग कर रहे हैं। भरौली निवासी पेशे से शिक्षक संजय कुमार राय ने बताया कि फाग गाने वालों की संख्या कम हुई है। आसपास के गावों में फाग परंपरा दम तोड़ती नजर आ रही है।

sab ka sapna 04 March 2026:Layout 1 03-03-2026 21:18 Page 5

वर्ष 2047 तक राज्य को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य: सीएम

चंडीगढ़: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को हरियाणा विधानसभा में सरकार का लगातार 12वां राज्य बजट प्रस्तुत करते हुए वर्ष 2047 तक हरियाणा को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 का राज्य बजट केवल आय-व्यय का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि विकसित हरियाणा के निर्माण का विजन डॉक्यूमेंट है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक हरियाणा को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और हरियाणा विजन डॉक्यूमेंट-2047ड्ड इसी दिशा में राज्य का मार्गदर्शक दस्तावेज है। नायब सिंह सैनी ने बतौर वित्त मंत्री सदन के माध्यम से जनता के समक्ष 5 बिंदुओं को रखा, जिनका प्रभाव न केवल इस वर्ष के बजट में दिखेगा बल्कि 2031 तक के राज्य बजटों में भी इसकी झलक दिखाई देगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार वर्ष 2026 से 2031 तक हरियाणा का केंद्रीय करों में हिस्सा बढ़कर 1.361 प्रतिशत हो गया है, जो पूर्व अवधि की तुलना में 24.52 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि है और देश में सर्वाधिक वृद्धि है। उन्होंने इसे डबल इंजन सरकार की प्रभावशीलता का सशक्त प्रमाण बताते हुए कहा कि आज केंद्र और राज्य की समन्वित नीतियों का सीधा लाभ हरियाणा को मिल रहा है। वर्ष 2026 से 2031 तक हरियाणा का केंद्रीय करों में हिस्सा अब 1.361% होगा। वर्ष 2005-10 की अवधि में यह हिस्सा 1.075% था। वर्ष 2010-15 की अवधि में यह हिस्सा घटकर 1.048% हो गया था और इसमें वर्ष

2005-10 के मुकाबले हुई वृद्धि में हरियाणा पूरे देश में 20वें स्थान पर था। वर्ष 2015-20 की अवधि में यह हिस्सा और बढ़कर 1.084% हो गया और इसमें वर्ष 2010-15 की तुलना से वृद्धि में प्रदेश 17वें स्थान पर आ गया था। 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार वर्ष 2021-26 की अवधि में यह हिस्सा फिर बढ़कर 1.093% हो गया था। 16वें वित्त आयोग की ताजा सिफारिशों के अनुसार वर्ष 2026 से वर्ष 2031 तक हिस्सा अब और अधिक बढ़कर 1.361% रहेगा। यह वृद्धि देश के सभी 28 राज्यों में सर्वाधिक है।उन्होंने कहा कि वर्ष 2026-27 बजट के संदर्भ में इस वृद्धि को देखें तो वर्ष 2005-06 में ड्ड13,853 करोड़ के हरियाणा के कुल राजस्व में केंद्रीय करों से मिले हिस्से से राजस्व था ड्ड1,201 करोड़ अर्थात कुल राजस्व का केवल 8.7%। वर्ष 2014-15 के ड्ड40,799 करोड़ के हमारे कुल राजस्व में केंद्रीय करों से मिले हिस्से से राजस्व था 3,548 करोड़ अर्थात कुल राजस्व का फिर से केवल 8.7%। वर्ष 2024-25 में बढ़कर यह हिस्सा कुल राजस्व का 13.2% हो गया था। इस वर्ष कुल राजस्व का 14.2% केंद्रीय करों से प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा क्लीन एयर प्रोजेक्ट के तहत विश्व बैंक द्वारा ड्ड2716 करोड़ की सहयोग राशि स्वीकृत की गई है। इसके अलावा, Water Secure Haryana के लिए 5715 करोड तथा Haryana AI Mission' के लिए 474 करोड़ की स्वीकृति विश्व बैंक से जल्द ही मिल जाएगी। इतना ही नहीं, फोरसाइट एनक्स के नाम से 4 विभागों के लिए 1837.65 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिससे ये विभाग भविष्य सक्षम बनेंगे। उन्होंने कहा कि Haryana Vision Document-2047 के लक्ष्यों के अनुरुप आगामी सभी बजट जेंडर व वृद्धजन आधारित होंगे।

इस बजट में महिला, युवा, किसान और गरीब का कल्याण सुनिश्चित करने पर रहा फोकस : सुभाष बराला

हिसार : हिसार स्थित भाजपा जिला कार्यालय में आज बजट विषय पर पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि इस बजट का मुख्य उद्देश्य है देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जो लक्ष्य है 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना और उसके अंदर हरियाणा की भागीदारी सुनिश्चित हो। पूर्व समय में केंद्र और प्रदेश सरकार केवल एक साल के खर्चे को ध्यान में रखकर बजट प्रस्तुत किए जाते थे लेकिन देश के प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में निर्मला सीतारमण और हरियाणा के मुख्यमंत्री ने इस बात को ध्यान में रखा है कि आगामी 2047 जब भारत विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में खड़ा होगा, उस समय तक किस प्रकार से प्रदेश को आगे बढ़ना चाहिए। सुभाष बराला ने कहा कि 2014-15 के बजट का 84% उसने खर्च हुआ था। 2025-26 के बजट का 98% उसका खर्च हुआ है। उन्होंने कहा कि ग्यारह सालों के अंदर हमारी जीडीपी में तीन गुणा वृद्धि हुई है। राज्य सभा सांसद ने कहा कि बजट में चार बिंदुओं पर फोकस रहा है।महिला, युवा, किसान और गरीब के कल्याण सुनिश्चित करते हुए यह बजट प्रस्तुत हुआ है। किसानों का खास ध्यान रखा गया है। लमणीय भूमि खेती योग्य बनाई जाएगी। किसान जो धान की फसल छोड़कर के अन्य फसलों की बुवाई करेगा उसे लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि परंपरागत खेती को छोड़कर के और दलहन, तिलहन और कपास की खेती को अपनाता है तो उसको अतिरिक्त रूप से 2000 का बोनस देने का काम हरियाणा सरकार करेगी। हमारी बहनों को लखपति दीदी बनाने का इसमें टारगेट रखा गया है। इसी प्रकार से पिंक कैब योजना शुरू करने का प्रावधान बजट में रखा गया। 4000 नई राशन की दुकानें खोलने का प्रावधान इसमें किया गया है।सुभाष बराला ने कहा कि 1000 आंगनबाड़ी केंद्रों को प्ले स्कूलों में अपग्रेड करने का प्रावधान इस बजट के अंदर किया गया है। ग्रामीण युवाओं कौशल की ट्रेनिंग दी जाएगी। हिसार जिले के लिए भी बहुत सारी घोषणाएं इस बार के बजट में की गई हैं। राज्यसभा सांसद ने अंत में आपसी भाईचारा और सद्भाव बढ़ाने के त्योहार होली की बधाई और शुभकामनाएं भी दी।

रेवाड़ी में किसान ने मालगाड़ी के आगे कूदकर किया सुसाइड, वजह तलाश रही पुलिस

रेवाड़ी : रेवाड़ी जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां कोसली निवासी 45 वर्षीय राकेश ने मालगाड़ी के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक राकेश पेशे से किसान था और खेती-बाड़ी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। जांच अधिकारी सत्यपाल ने बताया कि घटना की सूचना 1 मार्च को कोसली रेलवे स्टेशन के पास से राजकीय रेलवे पुलिस, रेवाड़ी को मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन उस समय शव की पहचान नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने शव को शिनाख्त के लिए नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। दो दिन बाद मंगलवार को परिजनों ने शव की पहचान की, जिसके बाद पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। फिलहाल आत्महत्या के पीछे कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। जीआरपी पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। साथ ही परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर अन्य सुराग जुटाए जा रहे हैं, ताकि इस दुखद कदम के पीछे की वजह का पता लगाया जा सके।

हरियाणा में लव ट्रायंगल का खौफनाक अंत, पूर्व प्रेमी संग मिलकर युवती ने दी नए प्रेमी को दर्दनाक मौत...दोनों गिरफ्तार

यमुनानगर : हरियाणा के यमुनानगर जिले के तीर्थ नगर क्षेत्र में मिली करीब 21 वर्षीय एक युवक की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। युवक के मुंह में फेवीक्विक के साथ कपड़ा ठूंसा गया था ताकि वह चिल्ला ना पाए। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसपी यमुनानगर कमलदीप गोयल द्वारा इस मामले की तफ्तीश सदर यमुनानगर पुलिस से लेकर सीआईए 2 को सौंप दी गई। जिसके बाद अब राजीव हत्याकांड का चौंकाने वाला सच सबके सामने आ गया। पुलिस की माने तो राजीव की हत्या का प्लान उसकी प्रेमिका स्नेहा और उसके पूर्व प्रेमी अमित ने मिलकर रची थी। 27 वर्षीय स्नेहा पांच साल के बेटे की मां है। वो कई वर्षों से अपने पति से अलग रह रही थी। शादी के कुछ साल बाद उसने पति पर प्रताड़ना के आरोप लगाते हुए मायके में किराये का कमरा ले लिया था। इसी दौरान उसका पुराना प्रेमी अमित उससे लगातार संपर्क में रहा। अमित भी शादीशुदा है और दो बच्चों का पिता है। दोनों के बीच संबंध वर्षों से बने हुए थे। करीब डेढ़ साल पहले स्नेहा की मुलाकात राजीव से हुई। बातचीत दोस्ती में बदली और फिर यह रिश्ता प्रेम संबंध में बदल गया। इस दौरान स्नेहा एक साथ दोनों पुरुषों के संपर्क में रही। राजीव का उसके घर आना-जाना शुरू हो गया। एक दिन स्नेहा के कमरे पर राजीव और अमित आमने-सामने आ गए। दोनों के बीच कहासुनी और झगड़ा हुआ। उस समय स्नेहा ने अमित को जाने के लिए कहा और राजीव का साथ चुना। यह घटना अमित के मन में गहरी रंजिश छोड़ गई। समय के साथ स्नेहा और राजीव के संबंधों में भी दरार आने लगी। स्नेहा का आरोप था कि राजीव के पास उसकी निजी तस्वीरें थीं। इन तस्वीरों के आधार पर वह उसे ब्लैकमेल कर रहा था। परेशान होकर उसने यह बात अमित को बताई। इसी के बाद राजीव को रास्ते से हटाने की योजना तैयार की गई। 27 फरवरी को स्नेहा ने राजीव को घूमने के बहाने बुलाया। आने वाले खतरे के बेखबर राजीव तय समय पर पहुंच गया जहां अमित पहले से मौजूद था। दोनों के बीच तीखी बहस हुई। इसके बाद अमित ने स्नेहा को अपने एक साथी के साथ वापस भेज दिया और राजीव को बहाने से सुनसान इलाके की ओर ले गया। पुलिस के अनुसार रेलवे ट्रैक के पास श्मशान घाट के नजदीक अमित ने पहले राजीव को नशा कराया। फिर रस्सी से उसका गला घोंट दिया। हत्या को सुनिश्चित करने के लिए उसके मुंह में चिपकने वाला पदार्थ डाला गया और कपड़ा ठूंस दिया गया। इससे उसकी सांस रुक गई।

वैदिक मंत्रोच्चारण से हुई विराट हिंदू सम्मेलन की शुरूआत

गुड़गांव,(ब्यूरो): गांव रामगढ़ सहित राजगुरु बस्ती, फरुखनगर सहित अन्य स्थानों पर विशाल हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चारण और दीप प्रज्जवलन से की गई। इस अवसर पर भाजपा के किसान मोर्चा गुरुग्राम महानगर के महामंत्री धर्मेंद्र तंवर ने बताया कि गांव रामगढ़ में बड़े स्तर पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत सह सेवा प्रमुख हरीश कुमार, विभाग सद्भावना प्रमुख एवं पूर्व कुलपति डॉ. अशोक दिवाकर

तथा विभाग प्रचारक प्रमुख अनिल कश्यप का प्रेरणादायी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।धर्मेंद्र तंवर ने बताया कि सम्मेलन में उपस्थित गणमान्य जनों, सामाजिक कार्यकताओं एवं क्षेत्रवासियों के साथ राष्ट्रहित, सामाजिक समरसता और संगठन सुदृढ़ीकरण के विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। समाज की एकता, सांस्कृतिक जागरण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को आगे बढ़ाने हेतु इस प्रकार के आयोजन अत्यंत प्रेरणास्पद एवं मार्गदर्शक सिद्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि समाज की असली शक्ति उसकी एकता, संस्कारों और संस्कृति के संरक्षण में है। वहीं, राजगुरू बस्ती में आयोजित हुए विराट हिंदू सम्मेलन में टयुलिप पेटलस एवं ऐस, सेक्टर-89 सहित गांव बामडोली, एनबीसीसी प्रोक्सिमा, ट्यूलिप पेटल्स एवं एस, एमथ्रीएम, सलिंग की ढाणी सहित आसपास के लोगों ने भाग लिया। इस दौरान नारी शक्ति ने कलश यात्रा निकाली। कार्यक्रम की शुरूआत विधिवत पूजन के साथ की गई। कार्यक्रम को मुख्य रूप से सफल बनाने के लिए बनवारी लाल पर्यावरण संरक्षक, गढ़ी स्थित वैष्णो माता मंदिर की संचालिका पूनम, इंदू शर्मा, मंजीत ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए टोलियां बनाई गई थी जिन्हें उनके कार्यों के अनुसार जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में आचार्य सुमित, करणा, अश्विनी, अरविंद पाठक, नरेश, कुलदीप वर्मा, नरेश शर्मा, अनुज मंगल, विक्रम, रितेश सैनी, राम जाखड़, दीप्ती सहित अन्य ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हरियाणा बजट में युवाओं के लिए अच्छी खबर, अब हर जिले में बनेंगे 'आदर्श परीक्षा केंद्र

चंडीगढ़ : हरियाणा राज्य देश का पहला ऐसा राज्य बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है, जहां अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए प्रदेश के सभी 23 जिलों में करीब 90 ह्यआदर्श परीक्षा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं को निष्पक्ष, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न कराना है। एचएसएससी के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया इन आदर्श परीक्षा केंद्रों में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रत्येक केंद्र पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली, सुरक्षित प्रश्नपत्र वितरण व्यवस्था, पर्याप्त बैठने की सुविधा, पेयजल और स्वच्छ शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। इसके अलावा दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए भी विशेष व्यवस्थाएं की जाएंगी, ताकि वे बिना किसी असुविधा के परीक्षा दे सकें। एचएसएससी के चेयरमैन ने आगे बताया कि आयोग द्वारा आयोजित सभी परीक्षा में अभ्यर्थियों के सुविधा के लिए सरकार द्वारा एक विशेष पोर्टल बनाया जाएगा जिसके माध्यम से अभ्यर्थियों को फ्री बस सुविधा प्रदान की जाएगी। हमारी यह कोशिश होगी कि इस सूचना को आपके एडमिट कार्ड पर भी उपलब्ध कराएं। साथ ही प्रदेश का पहला आदर्श परीक्षा केंद्र कुरुक्षेत्र में इसी साल 25 दिसंबर को लोगों को समर्पित होगा।

भाजपा ने संजय भाटिया को बनाया राज्यसभा उम्मीदवार, पंजाबी समुदाय में टिकट देकर साधे एक तीर से दो निशाने

चंडीगढ़ : अप्रैल में खाली हो रही हरियाणा की दो राज्यसभा सीटों के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने एक उम्मीदवार का नाम तय कर लिया है। भाजपा ने करनाल लोकसभा से पूर्व सांसद और पंजाबी समुदाय से आने वाले संजय भाटिया को प्रत्याशी बनाया है। संजय भाटिया संघ की पृष्टभूमि से आते हैं और संगठन में लंबा अनुभव होने के चलते उन्हें ईनाम के तौर पर पार्टी राज्यसभा भेज रही है। प्रदेश की दो राज्यसभा सीटें अगले महीने खाली हो रही हैं। रामचंद्र जांगड़ा और किरण चौधरी का कार्यकाल खत्म हो रहा है। अब सभी की निगाहें कांग्रेस की तरफ हैं कि आखिर कांग्रेस किसे राज्यसभा प्रत्याशी बनाती है।पंजाबी समुदाय से ताल्लुक रखने वाले संजय भाटिया को राज्यसभा उम्मीदवार बनाकर भाजपा एक तीर से कई निशाने साध रही है। अगले साल की शुरूआत में ही पंजाब में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में पंजाबी व्यक्ति को राज्यसभा भेजकर भारतीय जनता पार्टी पंजाबियों को बड़ा संदेश देने की कोशिश कर रही है। संघ और संगठन से लंबे समय से जुड़ाव और मनोहर लाल के नजदीक होने का भी संजय भाटिया को लाभ मिला है। क्या फिर होगा कांग्रेस के साथ खेल?

हरियाणा के राजनीतिक गलियारों में पुरजोर चर्चा ये भी है कि खाली हुई राज्यसभा की दो सीटों पर भाजपा दो

उम्मीदवार उतारकर विरोधियों के खेमे हलचल पैदा कर सकती है। फिलहाल भाजपा ने एक ही उम्मीदवार का नाम घोषित किया है लेकिन अभी नामांकन के दो दिन का समय शेष है तो सवाल ये उठता है कि क्या दूसरा प्रत्याशी भी भाजपा द्वारा उताया जाएगा या फिर 2022 की तरह निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में आकर कांग्रेस की गुटबाजी का फायदा उठाकर राज्यसभा पहुंचने में कामयाब होगा।

हालांकि इस बार किसी भी प्रकार का खेल होने की संभावना कम जताई जा रही है। माना जा रहा है हुड्डा खेमे के 37 में से 32 विधायक हैं और हाईकमान द्वारा सभी नेताओं और विधायकों को साफ निर्देश हैं कि इस बार गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए। 2022 के चुनाव में अजय माकन हरियाणा के हाईकमान के उम्मीदवार थे लेकिन भाजपा-जजपा के समर्थित उम्मीदवार कार्तिकेय शर्मा कांग्रेस में गंभीर असंतोष का फायदा उठाने में कामयाब रहे जिसके बाद माकन को हार का सामना करना पड़ा।

हरियाणा के इस जिले में 800 से अधिक पुलिसकर्मी रहेंगे तैनात

रेवाड़ी: होली (धुलंडी) के अवसर पर शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला पुलिस ने व्यापक एक्शन प्लान तैयार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा के निर्देश पर जिलेभर में सख्त व्यवस्था की जा रही है, ताकि शराब पीकर हुड़दंग करने वाले असामाजिक तत्वों पर लगाम लगाई जा सके और त्योहार को खुशहाली के साथ मनाया जा सके। जिले में कुल 25 नाके बनाए गए हैं, जिनमें 20 स्थानीय और 5 इंटरस्टेट नाके शामिल हैं। इन सभी नाकों पर 800 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। एल्को-सेंसर (एल्कोमीटर) की मदद से शराब पीकर वाहन चलाने वालों की जांच की जाएगी। इसके अलावा, जिले के विभिन्न गांवों में लगने वाले 22 मेलों में 350 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए 42 राइडर टीमें, 25 ईआरवी (इमरजेंसी रिस्पॉन्स

वाहन) और 8 पीसीआर वाहन फील्ड में सक्रिय रहेंगे। एसपी हेमेंद्र मीणा ने कहा कि होली के पावन पर्व में खलल डालने वाले या हुड़दंग मचाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि रंगों का यह पर्व भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक है, इसलिए सभी नागरिक इसे शांति और सद्भाव के साथ मनाएं। वहीं, त्योहार के दिन ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को परिवार की कमी महसूस न हो, इसके लिए एक अनोखी पहल भी की गई है। डीएसपी हैडक्वार्टर डॉ. रविंद्र कुमार ने बताया कि एसपी के आदेश पर सभी नाकों पर तैनात पुलिसकर्मियों को एसएचओ, डीएसपी और स्वयं एसपी मौके पर पहुंचकर मिठाइयां खिलाएंगे और उनका मनोबल बढ़ाएंगे। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें, नशे में वाहन न चलाएं और सुरक्षित व जिम्मेदार तरीके से होली का पर्व मनाएं।

पुलिस के खौफ को ठेंगा! मेन बाजार के शोरूम में 15 लाख की बड़ी चोरी, चोरों की शातिराना चाल से व्यापारी दंग

करनाल : हरियाणा के करनाल में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि अब शहर का सबसे व्यस्त 'मेन बाजार' भी सुरक्षित नहीं रहा। यहाँ चोरों ने एक साड़ी और लहंगे के शोरूम को अपना निशाना बनाते हुए करीब 10 से 15 लाख रुपये के कीमती स्टॉक पर हाथ साफ कर दिया। इस घटना ने बाजार की सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की गश्त पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हैरानी की बात यह है कि शोरूम में दो दिन पहले ही साड़ियों, लहंगों और सूटों का नया और भारी स्टॉक आया था। चोरों ने बड़ी चालाकी से वारदात को अंजाम दिया। तड़के जब चोर शोरूम पहुँचे, तो दुकान के बाहर एक बेसहारा व्यक्ति सो रहा था। चोरों ने पहले उसे वहाँ से हटाया और फिर इत्मीनान से ताला तोड़कर भीतर दाखिल हुए। शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरे शॉर्ट सर्किट की वजह से पहले से बंद थे, लेकिन चोरों ने फिर भी सावधानी बरतते हुए कैमरों की तारों को काट दिया ताकि उनकी पहचान न हो सके। शोरूम मालिक के मुताबिक, चोरों ने चुन-चुनकर महंगे और भारी लहंगे, साड़ियाँ और सूट चोरी किए हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि चोरी हुए सामान की कीमत 10 से 15 लाख रुपये के बीच है। बाजार के बीचों-बीच इस तरह की चोरी होना पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवालिया निशान लगाता है।

देशवासियों के लिए मिसाल बनी गुड़गांव पुलिस, ये उठाया बड़ा कदम

गुड़गांव, (ब्यूरो): गुड़गांव पुलिस ने एक ऐसा काम कर दिया जिससे वह अब देशवासियों में मिसाल के तौर पर जाना जाएगा। पुलिस ने नए भारतीय न्याय संहिता कानून के तहत एक पीड़ित को केस का डिसीजन होने से पहले बड़ी राहत दिलाई है। नए कानून के तहत यह पहला बड़ा मामला है जिस पर गुड़गांव पुलिस के अधिकारियों ने कार्रवाई की और केस में आरोपी के खिलाफ अदालत में चालान पेश होने तक पीड़ित को बड़ी राहत दिलाई है। वहीं, पुलिस अधिकारियों की मानें तो इस कार्रवाई के तहत आरोपी पर लगे आरोप भी करीब 90 प्रतिशत तक साबित हो गए हैं क्योंकि कार्रवाई के दौरान 90 प्रतिशत जुर्म आरोपी ने अदालत में मजिस्ट्रेट के समक्ष कबूल लिया है।दरअसल, इसी जाल जनवरी माह में सेक्टर-10 थाना पुलिस को एक

युवती ने शिकायत देकर केस दर्ज कराया था कि उसके प्रेमी ने उसे शादी का झांसा देकर काफी लंबे समय पर रेप किया। इतना ही नहीं आरोपी ने उसे ब्लैकमेल कर व अलग-अलग बहाने बनाकर करीब 18 लाख रुपए ट्रांसफर कराए। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए न केवल आरोपी को गिरफ्तार किया बल्कि आरोपी से एक गाड़ी भी बरामद की जिसे उसने पीड़िता द्वारा दिए गए रुपयों से खरीदा था। एसीपी वेस्ट अभिलक्ष जोशी ने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने न केवल उसकी गाड़ी को बल्कि आरोपी के बैंक खातों व अन्य प्रॉपर्टी को भी केस में अटैच कराया। आरोपी को अदालत में मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया जहां आरोपी के बैंक खातों की ट्रांजेक्शन व गाड़ी खरीदने के लिए दी गई पेमेंट का मिलान कर बयान दर्ज कराए गए जिसमें आरोपी ने यह रुपए पीड़िता से लेना कबूल लिया और इन्हीं रुपयों के जरिए यह गाड़ी खरीदने की बात कही जिसके बाद इस गाड़ी को नीलाम कर इससे मिली करीब साढ़े 10 लाख रुपए की राशि को मजिस्ट्रेट के समक्ष पीड़िता को दिलाई गई। वहीं, आरोपी द्वारा पीड़िता से ली गई ज्वेलरी को भी बरामद कर पीड़िता को वापस दिलाया गया। एसीपी अभिलक्ष जोशी की मानें तो अब तक केस में पुलिस द्वारा प्रॉपर्टी को अटैच किया जाता था। अगर कोई प्रॉपर्टी को नीलाम करना और पीड़ित को मुआवजा देने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का सहारा लेना पड़ता था। अब देश में पहली बार ऐसा हुआ है कि प्रॉपर्टी को अटैच करने से लेकर नीलामी प्रक्रिया और पीड़ित को मुआवजा दिलाने तक की प्रक्रिया पुलिस ने ही पूरी की है। यह भी 3 महीने से भी कम समय में पूरी कर ली है जिससे लोगों को राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि इससे पहले वह नए कानून के तहत एक आरोपी के मोबाइल को केस से अटैच करा चुके हैं, लेकिन उसमें नीलामी प्रक्रिया नहीं हो पाई,लेकिन यह पहला मामला है जिसमें प्रक्रिया को पूरा कर लिया गया है। इससे खास तौर पर उन लोगों को फायदा मिलेगा जिनके साथ धोखाधड़ी हुई है। इस तरह के केसों में आरोपी तो गिरफ्तार हो जाते थे,लेकिन पीड़ितों को उनकी रकम अथवा प्रॉपर्टी वापस नहीं मिल पाती थी। नए बीएनएस कानून के तहत यह बड़ी राहत है।

हरियाणा के दो भाई युद्ध के मुहाने पर: ईरान-इजरायल जंग के बीच समंदर में फंसे गोहाना के अमित और अनिल, परिवार की थमी सांसें

गोहाना : पश्चिम एशिया (Middle East) में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच गहराते युद्ध के तनाव ने सात समंदर पार हरियाणा के एक छोटे से गांव में कोहराम मचा दिया है। गोहाना के बिधल गांव के दो सगे भाई, अमित मलिक और अनिल मलिक, इस समय युद्ध क्षेत्र के बीचों-बीच कतर और दुबई के समुद्री इलाकों में फंसे हुए हैं। दोनों भाई मर्चेंट नेवी में तेल और गैस रिग (Oil & Gas Rig) पर काम करते हैं। युद्ध के बीच उनकी स्थिति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्हें रिग से सुरक्षित निकालने के लिए हेलीकॉप्टर का सहारा लेना पड़ा। अमित मलिक ने बताया कि होटल में ठहरने के दौरान उनके सिर के ऊपर से मिसाइलें गुजरती दिखाई दीं, जिन्हें एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही नष्ट कर दिया। बड़े भाई अनिल मलिक ने जानकारी दी कि बेस कैंप पर अचानक वार्निंग सायरन बजने के बाद सभी कर्मचारियों को तुरंत सुरक्षित स्थानों (इ४ल्ल्ी१२) पर शिफ्ट कर दिया गया। बिधल गांव का यह परिवार एक साधारण किसान परिवार है। करीब 10 साल पहले अमित मलिक ने बेहतर भविष्य के लिए विदेश का रुख किया था। बाद में उन्होंने अपने बड़े भाई अनिल को भी इसी क्षेत्र में नौकरी दिलाई। समुद्र के भीतर करीब 18 से 20 हजार फीट तक ड्रिलिंग कर तेल और गैस निकालना बेहद खतरनाक काम है, जहाँ 28 दिनों तक लगातार 12-12 घंटे की शिफ्ट करनी पड़ती है। युद्ध की गंभीरता को देखते हुए कंपनी ने फिलहाल हेलीकॉप्टर की उड़ानें रोक दी हैं। रिग लाइन पर अभी भी करीब 250 से ज्यादा कर्मचारी मौजूद हैं, जिन्हें सुरक्षित निकालने के प्रयास जारी हैं। भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन जारी कर सभी से संपर्क बनाए रखने की अपील की है। हजारों किलोमीटर दूर बिधल गांव में सन्नाटा पसरा है। अमित और अनिल के पिता, पत्नियाँ और बच्चे हर पल फोन की घंटी बजने का इंतजार कर रहे हैं। बेहतर कमाई और सुनहरे भविष्य के लिए चुना गया यह पेशा आज पूरे परिवार और गांव के लिए गहरी चिंता और प्रार्थना का विषय बन गया है।

sab ka sapna 04 March 2026:Layout 1 03-03-2026 21:18 Page 6

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एनडीएमसी के दो दिवसीय फूल महोत्सव का उद्घाटन कियानेशनल

दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कनॉट प्लेस में एनडीएमसी के दो दिवसीय पुष्प महोत्सव का मंगलवार को उद्घाटन किया। राजधानी में इस कार्यक्रम में मौसमी फूलों और अलग-अलग थीम पर सजी पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। नयी दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में अपने उत्सव की शुरूआत की। कार्यक्रम की शुरूआत एक संक्षिप्त समारोह के साथ हुई जिसमें एनडीएमसी के अधिकारी और आम लोग उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने एनडीएमसी अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि परिषद ने दिल्ली की हरित और सकारात्मक छवि बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फूल महोत्सव का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "लोग ट्यूलिप के फूलों के साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए कश्मीर जाते थे, अब उन्हें वहां जाने की जरूरत नहीं है, मध्य दिल्ली में ही ट्यूलिप के फूल प्रचूर मात्रा में उपलब्ध हैं।" गुप्ता ने कहा, "जी20 हो या हाल में आयोजित एआई इंडिया इम्पैक्ट समिट, जब भी कोई बड़ा आयोजन होता है, एनडीएमसी इलाके को साफ-सुथरा रखने और हजारों ट्यूलिप के फूल लगाने में सराहनीय काम करता है।" उन्होंने कहा कि दिल्ली की अन्य नगर निकायों को राष्ट्रीय राजधानी में अधिक हरित क्षेत्र बनाने के लिए एनडीएमसी से सीखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, "एनडीएमसी देश में हरित क्षेत्र बनाने के लिए एक आदर्श नगर परिषद बन गई है। हम चाहते हैं कि पूरी दिल्ली इसी तरह हरी-भरी और जीवंत हो जाए।" उन्होंने कहा, "यदि आवश्यकता पड़ी तो

हम अन्य एजेंसियों के बागवानी विभाग के कर्मचारियों को एनडीएमसी के तहत प्रशिक्षण लेने के लिए भेजेंगे।" मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार पूरे शहर में हरियाली बढ़ाने में मदद करने के लिए एनडीएमसी को सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराएगी उन्होंने बाद में 'एक्स' पर कहा कि होली के अवसर पर इस पुष्प महोत्सव से पूरा कनॉट प्लेस खिल उठा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्रिकोणीय संरचना और बेलनाकार की शानदार पुष्प सज्जाएं, खूबसूरत परिदृश्य और खास सेल्फी पॉइंट्स इस आयोजन के आकर्षण को और बढ़ा रहे हैं। गुप्ता के मुताबिक, यह महोत्सव रंगों, प्रकृति और सृजनात्मकता का जीवंत उत्सव बन गया है। इस महोत्सव में शहरी बागवानी और पर्यावरण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फूलों की विभिन्न सजावटें, सुंदर परिदृश्य और बागवानी संबंधी प्रस्तुतियां शामिल हैं। एनडीएमसी के अधिकारियों ने कहा कि यह उत्सव चार मार्च को भी जारी रहेगा और नगर निकाय को उम्मीद है कि इन दो दिनों में कार्यक्रम स्थल जनता के लिए खुला रहने के कारण लोगों की भारी भीड़ रहेगी।

BJP ने राज्यसभा चुनाव के लिए जारी की 9 उम्मीदवारों की सूची, बिहार से नितिन नवीन को मौका

देश की राजधानी में चुनावी हलचल अब अपने शिखर पर पहुंच चुकी है। राज्यसभा की खाली सीटों को भरने के लिए नामांकन का समय खत्म होने से ठीक पहले भारतीय जनता पार्टी ने अपनी बहुप्रतीक्षित सूची जारी कर दी है। भगवा दल ने इस बार रणनीति और क्षेत्रीय समीकरणों को साधते हुए 9 उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगाई है, जिसमें कई चौंकाने वाले और प्रभावशाली चेहरे शामिल हैं। इस सूची में सबसे प्रमुख नाम नितिन नवीन का है, जिन्हें भाजपा ने बिहार के कोटे से उच्च सदन भेजने का निर्णय लिया है। बिहार की राजनीति में सक्रिय नितिन नवीन के अलावा राज्य से शिवेश कुमार को भी चुनावी मैदान में उतारा गया है। पूर्वी भारत पर अपनी पकड़ मजबूत करने के इरादे से पार्टी ने पश्चिम बंगाल से कद्दावर नेता राहुल सिन्हा को उम्मीदवार बनाया है, जो राज्य में पार्टी के पुराने और भरोसेमंद चेहरे माने जाते हैं। पूर्वोत्तर और अन्य राज्यों की बात करें तो असम से तेराश गोवाला और जेगेन मोहन को टिकट दिया गया है। वहीं, ओडिशा में अपनी बढ़ती ताकत को देखते हुए भाजपा ने मनमोहन सामल और सुजीत कुमार जैसे दो बड़े नामों पर दांव खेला है। हरियाणा से संजय भाटिया और छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी वर्मा को राज्यसभा भेजने की तैयारी है। चुनाव आयोग के शेड्यूल के मुताबिक, यह चुनावी जंग महाराष्ट्र, तमिलनाडु, बिहार और पश्चिम बंगाल समेत कुल 10 राज्यों में फैली हुई है। इन राज्यों की रिक्त सीटों के लिए 16 मार्च को वोट डाले जाएंगे। दिलचस्प बात यह है कि सुबह मतदान खत्म होने के तुरंत बाद उसी शाम को नतीजों का ऐलान भी कर दिया जाएगा, जिससे यह साफ हो जाएगा कि दिल्ली के ऊपरी सदन में किन राज्यों का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा।

दिल्ली में रिटायर्ड कर्मचारी के घर से 30 लाख की चोरी, तीन चोरों ने 6 मिनट में दिया वारदात को अंजाम

पूर्वी दिल्ली। ईस्ट रोहतास नगर में बाइक सवार तीन चोर महज छह मिनटों में दिल्ली नगर से सेवानिवृत्त कर्मचारी के जीवनभर की कमाई चोरी करके ले गए। ताला तोड़कर चोर घर के अंदर से पांच लाख रुपये व 25 लाख रुपये के सोने के आभूषण चोरी करके ले गए। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित महावीर की शिकायत पर शाहदरा थाना पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया है। पुलिस फुटेज खंगाल कर आरोपितों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। राजनगर एक्सटेंशन में रहता है बेटा महावीर अपने परिवार के साथ ईस्ट रोहतास नगर में रहते हैं। वह पिछले वर्ष ही नगर निगम के शाहदरा उत्तरी जोन से सफाई कर्मचारी के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। पीड़ित ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उनका बेटा राजनगर एक्सटेंशन में रहता है। वह 28 फरवरी को बेटे के घर पर गए थे। घर पर पत्नी अकेली थी। उसी दिन शाम को इलाके में रहने वाले एक रिश्तेदार के घर पर कार्यक्रम था। उनकी पत्नी उसमें शामिल होने के लिए चली गईं और रात को वहीं पर रुक गई। एक मार्च को जब वह लौटे तो देखा दरवाजे का ताला खुला हुआ है और अलमारी का सामान बिखरा हुआ है। घर से पांच लाख रुपये व गहने गायब हैं। पीड़ित ने बताया कि रिटायरमेंट पर जो रुपया उन्हें निगम से मिला था उससे उन्होंने सोने के आभूषण खरीद लिए थे। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले तो पता चला एक बाइक पर नकाबपोश तीन चोर आए। ताला तोड़कर अंदर गए और छह मिनट में चोरी करके फरार हो गए।

ऑपरेशन मिलाप में दिल्ली पुलिस को मिली बड़ी सफलता, फरवरी में 118 लापता लोगों को उनके परिवार से मिलवाया

नई दिल्ली। राजधानी में लापता लोगों की तलाश के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन मिलाप के तहत दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। 1 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 के बीच कुल 118 लापता व्यक्तियों–जिनमें 31 नाबालिग (लापता/अपहृत) बच्चे और 87 वयस्क शामिल हैं–को ढूंढकर सुरक्षित उनके परिवारों से मिलाया गया। वहीं, वर्ष 2026 की शुरूआत से अब तक (1 जनवरी से 28 फरवरी तक) कुल 193 लापता व्यक्तियों/बच्चों (59 नाबालिग और 134 वयस्क) को ट्रेस कर परिवारों से पुनर्मिलन कराया गया है। कैसे चला सर्च ऑपरेशन? दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस के अनुसार, किसी भी व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिलते ही स्थानीय थानों की टीमों ने तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू किया। जांच के दौरानः- सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। ऑटो, ई-रिक्शा, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर फोटो दिखाए गए। बस ड्राइवरों, कंडक्टरों और स्थानीय विक्रेताओं से पूछताछ की गई। स्थानीय मुखबिरों की मदद ली गई। आसपास के थानों और अस्पतालों के रिकॉर्ड खंगाले गए। इन समन्वित और त्वरित प्रयासों के चलते पुलिस को सफलता मिली। थानों के स्तर पर कार्रवाई दिल्ली पुलिस के वसंत विहार थाने ने 9 लापता व्यक्तियों को ट्रेस किया। आरके पुरम थाना ने 1 नाबालिग लड़के समेत 7 लोगों को खोज निकाला। साउथ कैंपस थाना ने 2 नाबालिग लड़कियों और 1 वयस्क को बरामद किया। वसंत कुंज नॉर्थ और साउथ थानों ने मिलकर कई नाबालिग बच्चों सहित 18 से अधिक लोगों को ढूंढा। कापसहेड़ा थाना ने 9 नाबालिग बच्चों और 15 वयस्कों को ट्रेस किया। पालम विलेज, सागरपुर, दिल्ली कैंट, सरोजिनी नगर, एसजे एन्क्लेव और किशनगढ़ थानों ने भी कई मामलों में सफलता हासिल की। सभी बरामद व्यक्तियों को सुरक्षित उनके परिजनों को सौंप दिया गया। दक्षिण-पश्चिम जिला के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल (आईपीएस) ने कहा कि ऑपरेशन मिलाप के तहत टीमों ने संवेदनशीलता और पेशेवर दक्षता के साथ काम किया। उन्होंने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता हर लापता व्यक्ति को सुरक्षित घर पहुंचाना है। पुलिस के अनुसार, यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि हर परिवार को अपने बिछड़े सदस्य से मिलाया जा सके।

नाबालिग का यौन शोषण कर उसे वेश्यालय में बेचा, आरोपी को जमानत देने से हाई कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। नाबालिग का यौन शोषण करने के बाद उसे वेश्यालय में बेचने के आरोपित को जमानत देने से इनकार करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि इस तरके अपराध के समाज पर गंभीर असर होता है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि आरोपित के खिलाफ आरोप गंभीर हैं और रिकॉर्ड पर पेश की गई सामग्री से उसकी सीधी भूमिका का पता चला है। यह भी रिकॉर्ड पर आया है कि आरोपित ने पीड़िता को रहने की जगह और काम देने के बहाने उसका यौन शोषण किया था। नाबालिग को अजमेरी गेट के पास एक कोठे रखा इतना ही नहीं आरोपित ने उसे एक वेश्यालय के मालिक को बेचकर भी फायदा उठाया। अदालत ने कहा कि पीड़िता का बयान स्पष्ट है और आरोपित को निमयित जमानत नहीं दी जा सकती है। याचिका के अनुसार 12 जुलाई 2024 को पुलिस को सूचना मिली थी कि एक 14 साल की नाबालिग लड़की को अजमेरी गेट के पास एक कोठे रखा गया है और उसका शारीरिक शोषण किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने नाबालिग को बचाया और आरोपित को गिरफ्तार किया। नाबालिग ने पुलिस को बताया कि आरोपित न सिर्फ उसका यौन शोषण किया, बल्कि उसे बेच दिया। पीड़िता के बयान पर मामला दर्ज किया गया था। याचिका के अनुसार बड़ी बहन से झगड़े के बाद नाबालिग लड़की दिल्ली आई थी और तिकोना पार्क में रहने लगी थी। पीड़िता ने बयान दिया कि आरोपित के साथ कई लोगों के साथ यौन संबंध बनाने के लिए उसे मजबूर किया गया था।

दिल्ली में होली के दिन खुली रहेंगी शराब की दुकानें, सरकार ने जारी की नई ड्राई-डे लिस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने ड्राई-डे की सूची में संशोधन करते हुए होली के दिन को सूची से बाहर कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार 4 मार्च को होली के अवसर पर राजधानी में शराब की दुकानें खुली रहेंगी। सरकार की ओर से जारी नए आदेश में ड्राई-डे (शराबबंदी वाले दिनों) की सूची को अपडेट किया गया है। इस संशोधित सूची में होली को शामिल नहीं किया गया है। गौरतलब है कि पूर्व में होली के दिन दिल्ली में शराब की दुकानें बंद रहती थीं। वहीं कई अन्य राज्यों में भी इस दिन शराब बिक्री पर रोक रहती है। हालांकि इस वर्ष दिल्ली में 4 मार्च को होली के दिन सभी लाइसेंसी शराब की दुकानें सामान्य रूप से संचालित होंगी। एनसीआर के अन्य शहरों की स्थिती इसबीच दिल्ली में पाबंदी के बीच एनसीआर के शहरों में स्थिती विपरीत है जहां हर बार की तरह ड्राई-डे रहने की संभावना है। ग्रेटर नोएडा में तो प्रशासन ने आदेश जारी कर ड्राई-डे की घोषणा भी कर दी है। वहीं गुरुग्राम, फरीदाबाद और अन्य शहरों में भी शराब की दुकानें बंद रहने के आसार हैं

दिल्ली में 2 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में महिला को मिली जमानत, 13 साल तक पकड़ नहीं पाई उड़क

नई दिल्ली। दो करोड़ के धोखाधड़ी में आरोपित महिला आर ऊषा को जमानत देते हुए 13 साल तक आरोपित को पकड़ने में नाकाम रहने पर केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) की आलोचना की। न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ ने कहा कि बात यह है कि देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी को एक घोषित अपराधी को पकड़ने में भी 13 साल लग गए। इससे यह स्पष्ट होता है कि आरोपित को गिरफ्तार करने में उनकी दिलचस्पी नहीं थी। यह मामला लगभग दो करोड़ के सरकारी अनुदान के बंटवारे में गड़बड़ियों से जुड़ा है। मामले में आरोपित महिला फरार हो गई थी और आरोपपत्र दाखिल होने के काफी समय बाद 2025 में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। 76 गवाहों से हो चुकी थी पूछताछ इस बीच, सभी सह-आरोपितों को पहले ही

जमानत पर रिहा कर दिया गया था। और सरकारी वकील के 109 गवाहों में से 76 से पूछताछ हो चुकी थी। हालांकि, सीबीआई ने यह कहते हुए जमानत का विरोध किया कि याची कई सालों से फरार था और उसके भागने का खतरा था। लेकिन, कोर्ट ने सीबीआई की दलील को खारिज करते हुए याची का पति सीआरपीएफ में इंस्पेक्टर के तौर पर काम करता है, ऐसे में उसके भागने का खतरा नहीं है। धोखे से हासिल किया दो करोड़ से ज्यादा का अनुदान अदालत ने रिकॉर्ड पर लिया कि सीबीआई को केस आगे बढ़ाने में कोई दिलचस्पी नहीं थी, क्योंकि जांच अधिकारी ने केस की वर्तमान स्थिति के बारे में मदद करने के लिए उसके सामने पेश नहीं होने का फैसला किया। अदालत ने कहा कि उक्त तथ्यों को देखते हुए आरोपित महिला को जमानत देने से दूर रखने का कोई कारण नहीं दिखता। अदालत ने आरोपित महिला को 50,000 रुपये के निजी मुचलके व इतनी ही राशि के एक जमानती पर रिहा करने का आदेश दिया। याचिका के अनुसार आरोपित महिला ने कुछ सह-आरोपितों के साथ मिलकर सरकार से दो करोड़ रुपये से ज्यादा का अनुदान धोखे से हासिल किया और धनराशि को आरोपित महिला द्वारा संचालित एनजीओ के बैंक अकाउंट में स्थानांतरित की गई। मामले में सीबीआई ने 2012 में केस दर्ज किया। याची महिला के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि 109 गवाहों में से 76 से पूछताछ हुई है और वह 29 नवंबर 2025 से ही न्यायिक हिरासत में है।

दिल्ली में स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम पर 17.1 लाख की ठगी, साइबर पुलिस ने तीन जालसाजों को दबोचा

बाहरी दिल्ली। स्टॉक मार्केट निवेश के नाम पर 17.1 लाख रुपये की ठगी करने वाले तीन आरोपितों को उत्तर-पश्चिमी जिला साइबर सेल ने गिरफ्तार किया है। वहीं, इस मामले में एक महिला आरोपित को पाबंद किया है। इनके कब्जे से अपराध में इस्तेमाल तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान विनोद नगर निवासी इंदरजीत, पवन और गाजियाबाद के बालाजी विहार निवासी गौरव त्यागी के रूप में हुई है। महिला की पहचान महिमा शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिमा शर्मा आरोपित इंदरजीत के साथ संयुक्त खाता धारक थी, लेकिन अधिकृत हस्ताक्षर कर्ता नहीं थी। इसलिए उसे पाबंद किया गया है। जिला के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि आरोपितों के बैंक खातों के खिलाफ नेशनल क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर 17 शिकायतें दर्ज हैं। शालीमार बाग निवासी योगेश कुमार किराना की दुकान चलाते हैं। उन्होंने 28 जनवरी में साइबर सेल में ठगी की शिकायत की। जिसमें उन्होंने बताया कि उन्हें एक वॉट्सएप समूह में जोड़ा गया, जहां ठगों ने स्टॉक मार्केट निवेश में ऊंचे रिटर्न का लालच दिया। कमीशन के बदले ठगों को दिया बैंक खाता उन्होंने 17.10 लाख रुपये निवेश किए। लाभ होने पर जब पैसे निकालने की कोशिश की तो जालसाजों ने इसके एवज में अतिरिक्त राशि जमा करने के लिए कहा। ठगी का एहसास होने पर उन्होंने पुलिस में शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर निरीक्षक दिनेश दहिया के नेतृत्व में मामले की जांच शुरू की। जांच में पता चला कि ठगी की रकम को इंदरजीत के फर्म के खाते में ट्रांसफर किया गया था। पुलिस ने साक्ष्य मिलने पर इंदरजीत को गिरफ्तार कर लिया। उसने बताया

कि कमीशन के बदले में उसने फर्म का चालू खाता साइबर ठग गिरोह को उपलब्ध कराया था। ठगी की रकम प्राप्त करने के बाद उसने पैसे को गेमिंग एप एवं अन्य डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से आगे ट्रांसफर किया। पुलिस ने उसके निशानदेही पर अन्य आरोपितों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वह संगठित गैंग का हिस्सा थे, जो ठगी करते थे। इंदरजीत कमीशन के बदले अपना बैंक खाता गिरोह को उपलब्ध कराया। पवन कुमार बैंक खातों की व्यवस्था कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभाता था, जबकि गौरव त्यागी संचालन एवं समन्वय में सहयोग करता था। गिरोह वॉट्सएप निवेश समूहों एवं फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफार्म के जरिए पीड़ितों को फंसाता था। ठगी की रकम म्यूल खातों में डालकर गेमिंग एप व अन्य डिजिटल माध्यमों से तुरंत आगे भेज देता था। बाद में सक्रिय सदस्यों को उनकी भूमिका के मुताबिक कमीशन दिया जाता था। पुलिस अब इनसे पूछताछ कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

डीएसजीएमसी मनाएगी फतेह दिवस और अमृत संचार समारोह, मुगलों पर सिखों की जीत का प्रतीक है ये दिन

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) द्वारा वैसाखी के अवसर अमृत संचार समारोह आयोजित किया जाएगा। इसे सफल बनाने के लिए डीएसजीएमसी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने दिल्ली के सिंह सभाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि पंथ के ऐतिहासिक दिवस मनाने में दिल्ली की सभी सिंह सभाओं ने डीएसजीएमसी को हरसंभव सहयोग मिलता है। उन्होंने कहा कि अमृत संचार समारोह में भी सभी सिंह सभाएं बढ़-चढ़कर सहयोग देंगी। सिखों ने लाल किला पर निशान साहिब फहराया था फतेह दिवस के आयोजन को लेकर पर भी चर्चा हुई। सिख योद्धा बाबा बघेल सिंह, बाबा जस्सा सिंह अहलूवालिया और बाबा जस्सा सिंह रामगढ़िया के नेतृत्व में 30 हजार सिखों ने 11 मार्च 1783 को मुगलों को पराजित कर लाल किला पर निशान साहिब फहराया था। इस ऐतिहासिक विजय की याद में डीएसजीएमसी द्वारा प्रत्येक वर्ष फतेह दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित होते हैं। कालका ने कहा कि डीएसजीएमसी ने संगत के सहयोग से गुरु तेग बहादुर जी का 350वां बलिदान दिवस मनाया। इससे संबंधित कार्यक्रम पूरे वर्ष चलते रहेंगे और इस वर्ष नवंबर इसका समापन होगा। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर संगत के लिए गुरु ग्रंथ साहिब जी के सहज पाठ का कार्यक्रम रखा गया, जिसमें सिंह सभाओं ने अपना सहयोग दिया। बच्चों को गुरसिखी जीवन शैली से जोड़ने की डीएसजीएमसी के अभियान को सफल बनाने में भी सिंह सभाओं का हमेशा बहुत बड़ा योगदान रहा है। बैठक में कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरविंदर सिंह केपी, उपाध्यक्ष आत्मा सिंह लुबाना, धर्म प्रचार कमेटी के प्रमुख जसप्रीत सिंह करमसर, सदस्य एमपीएस चड्ढा आदि उपस्थित थे।

दिल के मरीजों को अब नहीं खानी पड़ेंगी बेवजह की दवाएं, एक टेस्ट से पता लग जाएगा; कौन-सी दवा सबसे सटीक

नई दिल्ली। जेनेटिक टेस्ट के क्षेत्र में विदेशी दबदबे के बीच दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) से जुड़ीं शोधार्थी ने स्वदेशी व सस्ते जेनेटिक टेस्ट की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। धार्थी डॉ. दीपशिखा सतीश ने ऐसा स्वदेशी तकनीक आधारित जेनेटिक टेस्ट किट तैयार की है, जिससे तुरंत यह पता लगाया जा सकेगा कि हृदय रोगी के लिए कौन-सी दवा सबसे सटीक और लाभकारी रहेगी। यानी, हृदय रोगियों को अब अनावश्यक दवा नहीं खानी पड़ेंगी। साथ ही दवा के साइड इफेक्ट का भी पता लग पाएगा। इस टेस्ट के बाद तीन घंटे के भीतर रिपोर्ट मिल सकेगी, वर्तमान तकनीक आधारित टेस्ट की रिपोर्ट के लिए डेढ़ महीने तक इंतजार करना पड़ता है। कैसा होगा ये टेस्ट यही नहीं, टेस्ट के दाम भी लगभग आधे होंगे। यह एक 'फामाकोजीनोमिक्स' टेस्ट है। एक ऐसा टेस्ट, जो चिकित्सकों को यह समझने में मदद करेगा कि हृदय रोगी के जेनेटिक प्रोफाइल के आधार पर कौन-सी दवा सबसे सटीक काम करेगी। वर्तमान में, मरीजों से शारीरिक परेशानियों को जानने के बाद आमतौर पर चिकित्सक तीन से सात दिन की दवा देता है। इतने दिन दवा लेने के बाद मरीज से चिकित्सक दोबारा फीडबैक लेता है और इसी आधार पर तय करता है कि कौन-सी दवा जारी रखनी है और कौन-सी बंद करनी है। टेस्ट के तीन घंटे के भीतर यह पता लग पाएगा कि अमुक हृदय रोगी के लिए कौन-सी दवा सबसे बेहतर रहेगी। इससे मरीज को अनावश्यक रूप से दवा नहीं खानी पड़ेंगी। डॉ. दीपशिखा ने बताया कि यह टेस्ट विशेष रूप से हृदय रोगियों को ध्यान में रखते

हुए क्यू-पीसीआर तकनीक के आधार पर विकसित किया गया है। क्यू-पीसीआर तकनीक, वर्तमान तकनीक से लगभग 50 प्रतिशत सस्ती है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में इसे अन्य बीमारियों के लिए तैयार किया जाएगा। हृदय रोग के लिए 'फामाकोजीनोमिक्स' पर नई पहल के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की ओर से केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने पिछले दिनों पांच लाख रुपये का अनुदान भी दिया। डीटीयू में आयोजित कार्यक्रम में शोधार्थी डॉ. दीपशिखा को पांच लाख रुपये का अनुदान देते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह जागरण कौन हैं डॉ. दीपशिखा यह अनुदान डीटीयू इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन के माध्यम से दिया गया। डीटीयू के अलावा आईआईएम लखनऊ और सीडीएफडी टेक्नोलाजी इनक्यूबेटर हैदराबाद के साथ इन्क्यूबेट हैं। डॉ. दीपशिखा हरियाणा के रोहतक शहर की रहने वाली हैं। देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईसीजीइबी-जेएनयू, नई दिल्ली (इंटरनेशनल सेंटर फार जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी) से 'ट्रांसलेशनल बायोइंफार्मेटिक्स' में पीएचडी डॉ. दीपशिखा का मानना है कि यह शोध भारत में हृदय रोग के इलाज की दिशा और दशा दोनों बदल सकता है, जिससे न केवल इलाज का खर्च कम होगा बल्कि दवा के दुष्प्रभावों से भी बचा जा सकेगा। आईआईटी दिल्ली से हेल्थकेयर एंटरप्रेन्योरशिप और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से सीड सपोर्ट कोर्स करने वालीं डॉ. दीपशिखा ने बताया कि विदेशी संस्थान के साथ काम करने के दौरान महसूस किया कि जीनोमिक्स की ताकत से स्वास्थ्य सेवाओं को बदला जा सकता है। इसी उद्देश्य को लेकर 'डॉ. ओमिक्स लैब्स प्राइवेट लिमिटेड' के नाम से अपना स्टार्ट-अप शुरू किया। न्यूट्रीजीनोमिक्स टेस्ट को आम आदमी तक सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने का बीड़ा उठाया है। स्वदेशी तकनीक का लाभ भारतीय मरीजों को भी सस्ती दरों पर मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि पेटेंट के लिए आवेदन किया जा चुका है, यह अभी प्रक्रियाधीन है। फामाकोजीनोमिक्स, वह विज्ञान है जो यह अध्ययन करता है कि किसी व्यक्ति के जीन (डीएनए) दवाओं के प्रति उसके शरीर की प्रतिक्रिया (असर या साइड इफेक्ट्स) को कैसे प्रभावित करते हैं। यह फामाकोलाजी (दवाओं का अध्ययन) और जीनोमिक्स (जीन का अध्ययन) का मेल है, जिसका उद्देश्य सही मरीज को सही दवा की सही खुराक व्यक्तिगत रूप से प्रदान करना है।

sab ka sapna 04 March 2026:Layout 1 03-03-2026 21:18 Page 7

मध्य पूर्व संकट: 'बहुत शुक्रगुजार हूं', भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु सुरक्षित घर लौटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण फ्लाइट ऑपरेशन सस्पेंड होने के बाद तीन दिन तक दुबई में फंसी रहने के बाद सुरक्षित घर लौट आई हैं। सिंधु मंगलवार से शुरू होने वाले मशहूर ऑल इंग्लैंड ओपन के लिए बर्मिंघम जा रही थीं और रास्ते में दुबई में उनका एक लेओवर था। लेकिन दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण फ्लाइट में बड़ी रुकावट के कारण दुबई एयरपोर्ट पर फंस गईं।

सिंधु ने X पर पोस्ट किया, 'बैंगलोर में घर वापस आ गई हूं और सुरक्षित हूं। पिछले कुछ दिन बहुत मुश्किल और अनिश्चित रहे हैं, लेकिन मैं अपने घर वापस आकर सच में बहुत शुक्रगुजार हूं। शानदार ग्राउंड टीमों, दुबई अथॉरिटीज, एयरपोर्ट स्टाफ, इमिग्रेशन और हर उस इंसान का दिल से शुक्रिया जिन्होंने इस मुश्किल समय में आगे आकर हमारा इतना अच्छा ख्याल रखा। हमदर्दी और प्रोफेशनलिज्म शब्दों से कहीं ज़्यादा मायने रखता है। अभी के लिए आराम करने, खुद को रीसेट करने और अगले कदम तय करने का समय है।'

इससे पहले सिंधु ने सोमवार को दुबई से अपना डरावना अनुभव शेयर करते हुए कहा था कि पिछले कुछ घंटे 'बहुत टेंशन वाले' रहे हैं क्योंकि दुबई एयरपोर्ट पर जहां वह और उनकी टीम छिपी हुई थीं, उसके बहुत करीब इंटरसेप्शन और धमाकों की आवाजें आ रही थीं। सिंधु ऑल इंग्लैंड ओपन में हिस्सा नहीं ले पाईं, जहां उन्हें पहले राउंड में थाईलैंड की सुपनिडा कटेथोंग से भिड़ना था, लेकिन उनके कुछ साथी शटलर बिना किसी ट्रैवल प्रॉब्लम के बर्मिंघम पहुंचने में कामयाब रहे।

भारत आर इग्लड का टाम एक दूसर को बखूबी जानती हैं : सैम करन

मुंबई (एजेंसी)। भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल से पहले इंग्लैंड के सैम करन ने कहा कि दोनों टीमें एक दूसरे के खिलाफ इतना खेल चुकी हैं कि कुछ छिपाने के लिये नहीं है लेकिन उन्हें अपनी टीम से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद है। इंग्लैंड ने 2022 में भारत को सेमीफाइनल में दस विकेट से हराने के बाद खिताब जीता था जबकि भारत ने 2024 में इंग्लैंड को 78 रन से हराने के बाद खिताब जीता था।

करन ने वानखेड़े स्टेडियम पर इंग्लैंड के अभ्यास सत्र से पहले कहा, 'इस मैदान पर हम काफी खेल चुके हैं लिहाजा कुछ छिपा नहीं है।' उन्होंने कहा, 'हमारे पास अभ्यास के लिये दो दिन का समय है जिससे हालात के अनुकूल ढलने में मदद मिलेगी। इन स्टेडियमों में हम इतना खेल चुके हैं कि अलग अलग हालात की आदत हो गई है। हम भारतीय खिलाड़ियों के साथ बहुत खेलते हैं तो कुछ भी छिपा नहीं है।'

इंग्लैंड का इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन उतार चढाव भरा रहा है जिसने नेपाल को बमुश्किल चार रन से हराया। सुपर आठ में पाकिस्तान को दो विकेट से मात दी। करन ने कहा, 'पिछला प्रदर्शन अब मायने नहीं रखता। यह विश्व कप सेमीफाइनल है और हम इसमें अपना परफेक्ट खेल दिखाएंगे।'

वानखेड़े स्टेडियम पर भारत के समर्थकों का शोर रहेगा लेकिन करन को पता है कि उन्हें खामोश कैसे करना है। उन्होंने कहा, 'यह शानदार स्टेडियम है। मुझे यकीन है कि बृहस्पतिवार की रात यह स्टेडियम खामोश रहेगा। भारतीय टीम शानदार है लेकिन हमारे अधिकांश खिलाड़ियों ने उसके खिलाफ और आईपीएल में खेला है। हम किसी चीज से भयभीत नहीं हैं और दोनों टीमें सेमीफाइनल की चुनौती को लेकर रोमांचित होंगी।'

आईसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में मंधाना शीर्ष पर पहुंची

-गेंदबाजी रैंकिंग में अलाना किंग नंबर एक पहुंची

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी हैं। मंदाना को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट दूसरे नंबर पर खिसक गयी हैं। मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज़ में 58 और 31 रन रन बनाये थे जिससे उनके रेटिंग अंक 790 हो गये हैं। । इसके साथ वह वोल्वार्ड्ट के 782 अंकों से आगे निकल गयी हैं। बेथ मूनी 745 अंकों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं।

वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तान एलीसा हीली चौथे नंबर पर बनी हुई हैं। हीली ने अपने करियर के अंतिम एकदिवसीय में शतक लगाया था। हीली के 744 रेटिंग पॉइंट्स हैं जबकि बेथ मूनी के 749 और एसलीगेह गार्डनर के 724 अंक हैं। वहीं भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चार स्थान ऊपर आकर शीर्ष दस में पहुंच गयी हैं। वह नौवें स्थान पर हैं। भारत की ही मिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर बनी हुई हैं।

वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में भी काफी बदलाव आया है। ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर अलाना किंग 775 रेटिंग अंक के साथ नंबर-1 बन गई हैं। उन्होंने लगभग चार साल तक नंबर एक पर रहीं। सोफी ऐसलेस्टोन को पीछे छोड़ दिया। अलाना ने सीरीज़ में 16.71 की औसत से सात विकेट लिए, जिसमें तीसरे एकदिवसीय में चार विकेट शामिल हैं। इसके अलावा

ऑलराउंडरों की रैंकिंग में एशलेगाह गार्डनर 516 अंकों के साथ नंबर-1 पर हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज की हेली मैथयूज (418) पर लगभग 100 अंकों की बढ़त बनायी है। भारत की दीप्ती शर्मा गेंदबाजी रैंकिंग में 10वें और ऑलराउंडर सूची में पांचवें स्थान पर मौजूद हैं।

टी20 विश्वकप : आज पहले सेमीफाइनल में होगा दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड का मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 के पहले सेमीफाइनल में बुधवार को पिछले बार की उपविजेता दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। इस मुकाबले को जीतकर दोनो ही टीमें फाइनल में पहुंचने के इरादे से उतरेंगी।

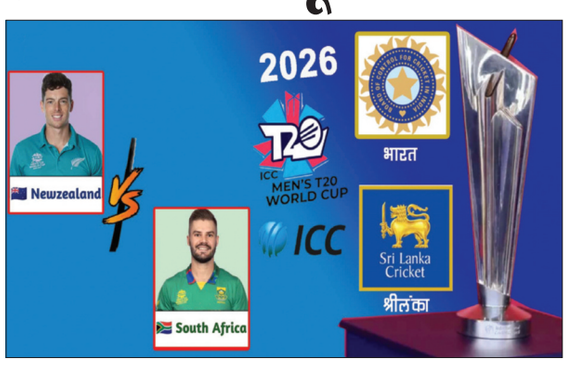

दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सभी मैच जीतकर यहां तक का सफर तय किया है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं। जिससे उसी जीत की दावेदारी मजबूत है। वहीं दूसरी ओर कीवी टीम भी कम नहीं है। वह भी इस बार खिताबी मुकाबले में पहुंचने पूरी ताकत लगा देगी। न्यूजीलैंड की टीम ग्रुप स्तर पर अफ्रीकी टीम के हाथों मिली हार से उबरकर इस मैच में अपनी ओर से जीत का पूरा प्रयास करेगी। वहीं न्यूजीलैंड की टीम मुश्किल से सेमीफाइनल तक पहुंची है। इससे उसे अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सुधार करना होगा।

अफ्रीकी टीम ने सुपर 8 स्टेज में शानदार प्रदर्शन के बाद यहां पहुंची हैं, इसमें उन्होंने पहले पिछले बार की विजेत भारत को 76 रन से हराया था। इसके बाद वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराने के बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ करीबी जीत के साथ सुपर 8 चरण का अंत किया।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड का सुपर 8 अभियन सामानय रहा जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ उनका पहला मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था। टीम ने श्रीलंका के खिलाफ अपने अगले मैच में 61 रन से जीत दर्ज की। वहीं उसे इंग्लैंड के खिलाफ करीबी हार का सामना करना पड़ा पर अच्छे नेट रन रेट के साथ वह अंतिम चार में आ गयी।

विश्वकप में कभी नहीं जीत पायी कीवी टीम

वहीं अगर टी20 विश्व कप के आंकड़ों को देखें तो दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड का 5 बार आमना-सामना हुआ है। विश्व कप में हर बार आंकड़ों पर नजर डालें तो दक्षिण अफ्रीका का पलड़ा भारी है। अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में अब तक दोनों टीमों का 19 बार मुकाबला हुआ है, जिनमें 12 बार दक्षिण अफ्रीका जीती है जबकि 7 बार ही कीवी टीम जीत हासिल कर पाई है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दक्षिण अफ्रीका- एडेन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डी कॉक, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, मार्को यान्सन, केशव महाराज, कगिसो रबाडा, क्रेगा मफाका, लुंगी एनगिडी, जेसन स्मिथ, जॉर्ज लिंडे, कॉर्बिन बॉश, एनरिक नॉर्खिया, ट्रिस्टन स्टब्स और रायन रिकल्टन।

न्यूजीलैंड- मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फॉर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, जिमी निशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सईफर्ट, ईश सोढ़ी, काइल जेमिसन, कॉल मैककॉन्ची

बावुमा को दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिताब जीतने की उम्मीदें

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर टेम्बा बावुमा इस बार टी20 विश्वकप में अपनी टीम के प्रदर्शन से बेहद खुश हैं। वावुमा को उम्मीद है कि इस बार उनकी टीम खिताब अवश्य जीतेगी। दक्षिण अफ्रीका को अब बुधवार को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से खेलना है। टीम पिछले बार उपविजेता रही थी। तब उसे फाइनल में भारतीय टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। बावुमा ने कहा कि उनकी टीम ने अपनी सभी कमजोरियों को दूर कर लिया है और वह विश्वकप जीतने की प्रबल दावेदार है। साथ ही कहा कि टीम के पास हर क्षेत्र में मैच का रुख बदलने वाले खिलाड़ी हैं। बावुमा ने कहा है कि अब तक बल्लेबाज एडेन मारक्रम, डेविड मिलर और तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। कप्तान ने कहा, मैं इस विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के प्रदर्शन से काफी उत्साहित हूं। टीम खेल के हर पहलू में काफी मजबूत है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी में कोई कमी नहीं है और खिलाड़ी खिताब जीतने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

छक्के लगाने के मामले में शीर्ष पर हैं अभिषेक

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन अब तक टी20 विश्वकप में अच्छा नहीं रहा है। इसके बाद भी अभिषेक सबसे कम 331 गेंदों में 50 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। वहीं दूसरे नंबर पर एविन लुइस और तीसरे पर डेवाल्ड ब्रेविस हैं। इन दोनो ने ही 366 और 368 गेंदों पर अपने 50 छक्के पूरे किये हैं। वहीं चौथे नंबर पर आंद्रे रसेल और पांचवे पर हजरतुल्लाह जजई है। इन दोनो ने ही 409 और 492 गेंदों में अपने 50 छक्के पूरे किये हैं।

छक्के लगाने के मामले में सबसे तेजी से आगे आने वालों में उभरते हुए बल्लेबाज ब्रेविस हैं। उन्होंने आंद्रे रसेल जैसे दिग्गज को पीछे छोड़ा है। जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल सुपर 8 के मैच में ब्रेविस ने 18 गेंदों में ही 2 चौके और 4 छक्के लगाकर 42 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 233.33 का था। इसी दौरान ही इस बल्लेबाज ने टी20 क्रिकेट में अपने 50 छक्के भी पूरे किए।

सूर्यकुमार बने टी20 मे सबसे सफल भारतीय कप्तान

-50 मैचों में जीत प्रतिशत के मामले में विश्व में दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव अब इस प्रारुप में भारतीय टीम के नंबर एक कप्तान बन गये हैं। सूर्यकुमार ने सबसे सफल कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा समेत विराट कोहली और महेन्द्र सिंह धोनी को भी पीछे छोड़ दिया है। सूर्यकुमार का अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जीत का औसत कप्तान के तौर पर सबसे अच्छा हो गया है। अगर देखा जाये तो 50 मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी करने वाले किसी भी कप्तान का जीत औसत इतना नहीं है, जितना की सूर्यकुमार यादव का है। वह सबसे अधिक जीत प्रतिशत के मामले में विश्व के दूसरे कप्तान हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर 8 के अंतिम मैच में उतरते ही सूर्यकुमार 50 मैचों में कप्तानी करने वाले भारतीय कप्तान बन गये। इस मैच में भारतीय टीम को जीत मिली और ये उनकी कप्तानी में टीम की 40वीं जीत थी। इसी के साथ उन्होंने रोहित और विराट का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सूर्यकुमार से पहले भारत के लिए सबसे अधिक जीत प्रतिशत का रिकॉर्ड रोहित के नाम 79.83 का था। सूर्यकुमार का जीत प्रतिशत टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 81.25 है और वह दूसरे नंबर पर हैं। वहीं अफगानिस्तान के असगर अफगान हैं ने 50 से अधिक मैचों में कप्तानी करते की है और उनका जीत प्रतिशत 81.73 का है। वहीं तीसरे नंबर पर भी भारत के ही विराट कोहली हैं, उनकी कप्तानी में जीत प्रतिशत 64.58 का रहा है। वहीं धोनी की कप्तानी में ये 59.28 प्रतिशत रहा है।

इजरायल-ईरान युद्ध का असर फुटबॉल विश्व कप पर, ईरान की जगह इस टीम को मिल सकता है मौका

जेनेवा (एजेंसी)। मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के बीच आगामी फुटबॉल विश्व कप में ईरान की भागीदारी पर संशय गहरा गया है। अमेरिका की पहल पर क्षेत्र में जारी तनाव को देखते हुए तीन महीने बाद होने वाली इस बड़ी प्रतियोगिता में ईरान का खेलना संदिग्ध माना जा रहा है। ऐसी स्थिति में उसकी जगह इराक या संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को मौका मिल सकता है।

अमेरिका में होने हैं ईरान के ग्रुप मैच

ईरान को ग्रुप चरण के अपने तीनों मैच अमेरिका में खेलने हैं। उसे ग्रुप जी में रखा गया है, जहां 15 जून को इंग्लेवुड (कैलिफोर्निया) में न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम से मुकाबला करना है। इसके बाद 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ अंतिम ग्रुप मैच खेलना निर्धारित है।

बढ़ते संघर्ष से स्थिति जटिल

अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद ईरान द्वारा जवाबी कार्रवाई किए जाने से क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने कतर और सऊदी अरब जैसे अमेरिकी सहयोगी देशों पर मिसाइलें दागीं। इसी बीच, फीफा ने सऊदी अरब को 2034 विश्व कप की मेजबानी सौंपी है।

एशियाई फुटबॉल महासंघ के उपाध्यक्ष और ईरान के शीर्ष फुटबॉल अधिकारी Mehdi Taj ने कहा, 'इस हमले के बाद विश्व कप में भागीदारी को लेकर हम आशान्वित नजरिए से नहीं देख सकते।'

फीफा की चुप्पी, भविष्य अनिश्चित

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप के लिए टीम भेजेगा या नहीं, अथवा अमेरिका सरकार उसके प्रवेश पर रोक लगाएगी। फीफा ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। ईरान एशियाई फुटबॉल की मजबूत टीम मानी जाती है और उसने पिछले आठ में से छह विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है।

आर्थिक नुकसान और संभावित विकल्प

यदि ईरान विश्व कप से हटता है तो उसके फुटबॉल महासंघ को कम से कम 10.5 मिलियन डॉलर का नुकसान होगा और उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। ऐसी स्थिति में एशिया से इराक या यूएई संभावित विकल्प हो सकते हैं।

इराक एशियाई क्वालीफाइंग में नौवें स्थान पर रहा और उसने प्लेऑफ में यूएई को हराया। अब उसे 31 मार्च को बोलीविया या सूरीनाम के खिलाफ मुकाबला खेलना है। जीत की स्थिति में वह सीधे विश्व कप में पहुंच सकता है, जबकि हार की स्थिति में भी ईरान के हटने पर उसे मौका मिल सकता है।

अब सीओई में कोच के तौर पर तेज गेंदबाजों को निखारेंगे जहीर

मुम्बई। पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान अब कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। जहीर को बैंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में तेज गेंदबाजों को कोचिंग देने की जिम्मेदारी दी गयी है। जहीर को ऑस्ट्रेलिया के ट्रॉय कूली की जगह पर कोच बनाया गया है। कूल का चार साल का कार्यकाल समाप्त हो गय है। वह अब इंग्लैंड टीम के तेज गेंदबाजी विशेषज्ञ कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। जहीर कोचिंग भूमिका निभाने को लेकर काफी उत्साहित हैं। वह पहले आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट के कोच रहे हैं। ऐसे में उन्हें कोचिंग का अच्छा अनुभव है। माना जा रहा है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र को देखते हुए जहीर को गेंदबाजों का निखारने की जिम्मेदारी दी गयी है। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जसप्रीत बुमराह सभी मैच नहीं खेल सके थे, जिससे टीम का संतुलन कमजोर पड़ा था। तब मोहम्मद सिराज ने गेंदबाजी की कमान संभाली थी पर बोर्ड चाहता है कि उसके पास बेहतर तेज गेंदबाजों का एक पूल होना चाहिये जो किसी भी प्रकार के कठिन हालातों पर नियंत्रण कर सके। नवंबर 2026 में न्यूजीलैंड दौरे को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम अपनी तेज गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर बनाना चाहती है। इसके अलावा चयन समिति की नजरें घरेलू क्रिकेट के उभरते सितारों पर भी है। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में जम्मू-कश्मीर के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले आकिब नबी पर भी उसकी नजरें हैं। अकीब आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स से खेलेंगे।

टी20 विश्वकप के शीर्ष पांच बल्लेबाजों और गेंदबाजों में केवल एक-एक भारतीय

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट में भारत सहित चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। ऐसे में अब तक लीग स्तर से लेकर सुपर-8 तक के मुकाबलों को देखें तो अब तक पांच बल्लेबाजों और पांच गेंदबाजों का इस टूर्नामेंट में दबादबा रहा है। इन शीर्ष पांच बल्लेबाजों में एक ही भारतीय सूर्यकुमार यादव हैं। वहीं पांच गेंदबाजों में भारत के एकमत्र वरुण चक्रवर्ती भी शामिल है। शीर्ष 5 बल्लेबाजों की बात करें तो पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान नंबर एक पर हैं। उन्होंने 6 मैचों में 383 रन बनाए हैं हालांकि पाकी टीम हार के साथ ही टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। वहीं दूसरे नंबर पर ब्रायन बेनेट हैं, जिन्होंने जिम्बाब्वे के लिए 292 रन बनाए हैं और उनकी टीम भी इस टूर्नामेंट से हार हो गयी है। तीसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम हैं, जो 268 रन बना चुके हैं। उनकी टीम सेमीफाइनल में है और ऐसे में उनके पास और आगे जाने का अवसर है। चौथे नंबर पर वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर हैं, जिन्होंने 248 रन बनाए हैं पर उनकी भी टीम बाहर हो चुकी है। पांचवें नंबर पर 231 रनों के साथ सूर्यकुमार यादव हैं। सूर्या शीर्ष 5 में एकमात्र भारतीय हैं और टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने से उनके पास ओर रन बनाने का अवसर है।

वहीं दूसरी ओर गेंदबाजी की बात करें तो- सबसे अधिक विकेट लेने की सूची में अमेरिक के शैडली वैन शाल्कविक हैं उनकी टीम सुपर-8 तक भी नहीं पहुंची पर उनके नाम चार मैचों में सबसे अधिक 13 विकेट हैं। जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजारबानी के नाम 6 मैचों में 13 विकेट हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं उनकी टीम भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। तीसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एनगिडी हैं, उनके नाम 12 विकेट हैं और सेमीफाइनल में भी टीम पहुंची है। वही भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी 12 विकेट लेकर इस सूची में शामिल हैं। भारतीय टीम भी सेमीफाइनल में है उनके विकेटों की संख्या बढ़ना तय है। पांचवें स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के कोर्बिन बोस हैं, उनके नाम 11 विकेट हैं और उनकी टीम भी सेमीफाइनल में पहुंची है।।

पाक के पूर्व क्रिकेटर आमिर ने भारतीय टीम के प्रदर्शन पर उठाये सवाल

लाहौर। टी20 विश्वकप से बाहर हुई पाकिस्तान टीम के पूर्व खिलाड़ी भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने से चिढ़े हुए हैं। इसका अंदाजा इसी से होता है कि पाक के पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद आमिर ने भारतीय टीम के समीफाइनल में पहुंचने के बाद भी उसके प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं पर बल्लेबाज संजू सैमसन की प्रशंसा की है। आमिर ने

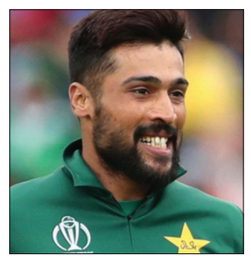

विश्वकप शुरु होने से पहले कहा था भारतीय टीम सेमीफाइन में नहीं पहुंच पायेगी। उन्होंने तब कहा था कि भारतीय टीम के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं है और उसके कई कमजोर पक्ष है जिससे वह अंतिम चार में नहीं पहुंच पायेगी पर पाक टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी लेकिन आमिर की ये भविष्यवाणी गलत साबित हो गयी। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर उनका मजाक उड़ रहा है। वहीं आमिर ने सैमसन की नाबाद 97 रन की पारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की पारी खेलना आसन नहीं होता। आमिर के अनुसार सैमसन की कठिन हालातों में खेली पारी से भारतीय टीम जीती पर इसके बाद भी सेमीफाइनल उसके लिए आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि एक शानदार पारी टीम की कमजोरियों को समाप्त नहीं कर सकती। आमिर के अनुसार भारतीय टीम की फील्डिंग अच्छी नहीं है उसने मैच के दौरान कई कैच छोड़े हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा अन्य गेंदबाजों ने काफी अधिक रन दिये हैं। टीम एक ही गेंदबाज पर टिकी हुई है।

सेमीफाइल में जैक्स से भारतीय टीम को रहना होगा सावधान : गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि भारतीय टीम को गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे सेमीफाइनल में मेहमान टीम के ऑलराउंडर विल जैक्स से सतर्क रहना होगा। गावस्कर के अनुसार जैक्स अभी अच्छे फार्म में हैं, ऐसे में उनपर अंकुश लगाये रखना जरुरी होगा। गावस्कर ने कहा कि अगर पिच से थोड़ी भी स्पिन मिली तो जैक्स को खेलना भारतीय टीम के लिए काफी मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या को इस मैच में पूरी जिम्मेदारी से बल्लेबाजी करनी होगी। गावस्कर के अनुसार सैमसन, सूर्यकुमार और पंड्या के प्रदर्शन से ही इस मैच का परिणाम तय होगा। उन्होंने कहा कि जैक्स सातवें नंबर पर उतरकर मैच की दिशा बदल सकते हैं, इसलिए उनपर दबाव बनाये रखना जरुरी रहेगा। वह वही भूमिका निभाते हैं जो भारत के लिए शिवम दुबे निभाते हैं।

जैक्स ने अब तक इस टूर्नामेंट में चार बार 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीता है। उन्होंने कई अवसरों पर टीम को कठिन हालातों से उबारा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ जैक्स ने 18 गेंदों में नाबाद 32 रन बनाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया था। वहीं श्रीलंका के खिलाफ कम स्कोर वाले मुकाबले में भी उसने तेजी से रन बनाने के बाद 3 अहम विकेट श्रीलंकाई टीम को लक्ष्य तक पहुंचने से रोक दिया। पावरप्ले में वह ऑफ स्पिन गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को विकेट गंवाने के लिए ललचा सकते हैं। जैक्स आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते आये हैं। इसलिए वह वानखेड़े की मैदान को भली भांति जानते हैं। वह भारतीय टीम के खिलाफ पहली बार किसी टी20 मैच में खेल रहे हैं। ऐसे में वह और भी खतरनाक साबित हो सकते हैं क्योंकि अधिकतर बल्लेबाज पहली बार उनका सामना करेंगे। गावस्कर ने कहा कि दोनो ही टीमें आफी अच्छी हैं, ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। वहीं वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय टीम का सेमीफाइनल रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। उसे । 1987 एकदिवसीय विश्वप सेमीफाइनल में इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था जबकि साल 2016 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में वह वेस्टइंडीज से हारी पर 2011 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में उसने इसी मैदान पर श्रीलंका को हराकर खिताब जीता था। गावस्कर का मानना है कि पुराने रिकॉर्ड से आज के हालातों में फर्क नहीं पड़ता और भारतीय टीम फाइनल तक जाने में सक्षम हैं।

sab ka sapna 04 March 2026:Layout 1 03-03-2026 21:18 Page 8

8 सब का सपना
हिंदी दैनिक
मनोरंजन
अमरोहा
बुधवार 04 मार्च 2026
www.sabkasapna.com

सनी देओल-बॉबी और अक्षय खन्ना के कमबैक पर फराह खान की टिप्पणी

फराह खान इन दिनों अपने कुकिंग व्लॉग्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में वे पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया से बात करती दिखीं। इस दौरान उन्होंने देओल भाई यानी सनी देओल और बॉबी देओल के इंडस्ट्री में दमदार कमबैक पर बात करते हुए दोनों की तारीफ की। इसके अलावा उन्होंने अक्षय खन्ना का भी जिक्र किया। फराह ने कहा कि यह चैलेंजिंग काम है।

नाकामी को बेकार मत जाने दो

दरअसल, व्लॉग के दौरान रणवीर ने फराह खान से कहा कि अक्षय खन्ना, सनी देओल और बॉबी देओल की जर्नी उन्हें बहुत इंस्पायर करती है। इस पर फराह खान ने भी रिएक्शन दिया। फराह खान ने कहा, 'यह बहुत अच्छा है। क्या कमाल की वापसी इनकी हुई है। वो बाहर होकर वापस आए हैं। यह तो और भी मुश्किल है। किसी ने कहा है, एक अच्छी नाकामी को कभी बेकार मत जाने दो। हमेशा उससे कुछ सीखो'।

सनी, बॉबी और अक्षय खन्ना का कमबैक

बता दें कि अक्षय खन्ना फिल्म 'छावा' और फिर 'धुरंधर' में अपने किरदारों को लेकर खूब सुर्खियों में रहे हैं। 'धुरंधर' में तो उन्होंने रहमान डकैत के किरदार में पूरी महफिल ही लूट ली। इसी तरह बॉबी देओल ने लंबे वक्त बाद फिल्म 'एनिमल' से दमदार वापसी की थी। इसके बाद वे आर्यन खान निर्देशित सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए। वहीं, सनी देओल ने 'गदर 2' से वापसी की और 'बॉर्डर 2' में भी उनका भौकाल रहा। इसे लेकर ही फराह ने तीनों सितारों की तारीफ की। 'तीस मार खान' को लेकर कही ये बात फराह खान ने इस दौरान अपनी फिल्म 'तीस मार खान' के बारे में भी बात की और बताया कि कैसे फिल्म को रिलीज के वर्षों बाद भी बहुत प्यार मिल रहा है। फराह ने इस बारे में बात करते हुए कहा, 'जब 'तीस मार खान' रिलीज हुई थी, तो मेरी तो बैंड ही बजा के रख दी थी। मैंने सोचा, मैं इतना गलत कैसे जा सकती हूं, क्योंकि मुझे तो बहुत फनी लगी थी। अब मुझे लगता है, वाह। अभी अक्षय खन्ना का फिर से आना हुआ है तो लोग मुझे यह कोट कर रहे हैं'।

'वाराणसी' फिल्म को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने किया बड़ा खुलासा

प्रियंका चोपड़ा ने ऐलान किया कि वे 'वाराणसी' फिल्म के साथ बॉलीवुड में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म उनके करियर में लगभग 6-7 साल बाद पहली इंडियन फिल्म होगी। 'वाराणसी' फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं, जिन्हें दीपिका पादुकोण ने 'भारत के सबसे टैलेंटेड डायरेक्टर्स में से एक' बताया है। फिल्म में महेश बाबू लीड रोल में हैं और प्रियंका फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी।

क्यों हैरान हुए जिमी फैलन

प्रियंका ने शो पर बताया कि फिल्म की शूटिंग 14 महीने से चल रही है और अभी इसके अगले 6 महीने की शूटिंग बाकी है। शो के होस्ट जिमी फैलन भी इतने लंबे समय को सुनकर हैरान रह गए।

फिल्म देगी नेक्स्ट लेवल

एक्सपीरियंस फिल्म को आईमैक्स फॉर्मेट में शूट किया जा रहा है, जिससे यह बड़े स्क्रीन अनुभव के लिए तैयार की जा रही है। प्रियंका ने कहा, 'हां, हम इसे शूट कर रहे हैं, तो बड़े थिएटर्स में ये फिल्म शानदार अनुभव देगी।' प्रियंका ने शूटिंग अनुभव को एक एडवेंचर बताया और कहा कि वह फिल्म को लेकर बहुत एक्साइटेड हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि वाराणसी अप्रैल 2027 में रिलीज होगी।

'द ब्लफ' में नजर आई प्रियंका

प्रियंका फिलहाल फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आ रही हैं, जो 26 फरवरी को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन, वेदांतेन नायडू भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

'भाई तेरा यार हैं' में लीड रोल निभाएंगे राघव जुयाल

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की शानदार सफलता के बाद राघव अब पहली बार बतौर लीड एक्टर किसी फिल्म का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इससे पहले वे 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' और 'किल' फिल्म में काम कर चुके हैं।

वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, राघव फिल्म 'भाई तेरा यार है' में नजर आएंगे। इस हफ्ते फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू हुई है। पहले शूटिंग शेड्यूल को बीच में ही रोकना पड़ा था क्योंकि राघव का पैर टूट गया था। उस वक्त पूरी टीम को लंदन से वापस लौटना पड़ा था। अब राघव पूरी तरह ठीक हो चुके हैं और फिल्म की शूटिंग फिर से पटरी पर आ गई है। इस फिल्म का निर्देशन विवेक अग्रवाल कर रहे हैं, जो 'आई सी यू' के लिए जाने जाते हैं, जिसमें अर्जुन रामपाल नजर आए थे। राघव के लिए यह फिल्म खास है क्योंकि इससे पहले किल और 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में उन्होंने अहम भूमिकाएं निभाई थीं, लेकिन 'भाई तेरा यार है' में वह पहली बार लीड रोल में दिखाई देंगे।

ऋषभ शेट्टी ने 'जय हनुमान' की शूटिंग पर दी अपडेट

अभिनेता-निर्देशक ऋषभ शेट्टी अपनी पत्नी प्रगति शेट्टी के साथ कर्नाटक के रायचूर जिले में स्थित मंत्रालयम गए। दंपति ने गुरु राघवेंद्र स्वामी को समर्पित गुरु वैभवोत्सव में भाग लिया और क्षेत्र भर से आए श्रद्धालुओं के साथ उत्सव में शामिल हुए। उनका यह दौरा राघवेंद्र स्वामी के जन्मदिन के मौके पर हुआ। इस दौरान अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म 'जय हनुमान' को लेकर भी बात की।

अभी नहीं शुरू हुई 'जय हनुमान' की शूटिंग

इस दौरान ऋषभ शेट्टी राघवेंद्र स्वामी के वृंदावन के सामने बैठकर श्रद्धापूर्वक दर्शन करते हुए नजर आए। दर्शन के बाद मीडिया से बात करते हुए एक्टर ने कहा कि जब भी मैं मंत्रालयम आता हूं, मुझे मन की शांति मिलती है। रायरू के दर्शन होना मेरा सौभाग्य है। हम नियमित रूप से यहां आते रहते हैं। अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जय हनुमान' के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में मुहूर्त हुआ है। अभी शूटिंग शुरू होनी बाकी है। हम हनुमान जी पर एक शानदार फिल्म बना रहे हैं, जिसमें एक अच्छा संदेश है।

राघवेंद्र स्वामी पर फिल्म बना सकते हैं ऋषभ

अपने करियर के विकल्पों पर बात करते हुए ऋषभ शेट्टी ने कहा कि असल में, हम कलाकार हैं। अगर कोई निर्देशक कहानी सुनाता है और हमें किरदार पसंद आता है, तो हम उसे जरूर करेंगे। हर कलाकार अच्छे निर्माताओं के साथ ऐसे किरदार निभाने की उम्मीद रखता है। मंत्रालयम के रायरू यानी राघवेंद्र स्वामी पर आधारित फिल्म बनाने की संभावना के बारे में अभिनेता ने कहा कि मंत्रालयम के रायरू पर फिल्म बनाना आसान नहीं है, यह बहुत मुश्किल काम है। मैं अभी कुछ नहीं कह सकता, देखते हैं आगे क्या होता है।

ट्रेलर के बाद दर्शक फिल्म की भव्यता समझ पाएंगे

निर्देशक प्रशांत वर्मा द्वारा निर्देशित 'जय हनुमान' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फैंस इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस उत्साह पर ऋषभ शेट्टी ने कहा कि जब टीजर और ट्रेलर रिलीज होंगे, तब लोग इसकी भव्यता को समझ पाएंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शकों को यह फिल्म पसंद आएगी। ऋषभ शेट्टी को आखिरी बार 'कंतारा: चैप्टर 1' में देखा गया था, जो 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी।

'द व्हाइट लोटस' को ठुकराने की खबरों के बीच दीपिका का क्रिप्टिक पोस्ट

दीपिका पादुकोण इन दिनों एक हॉलीवुड प्रोजेक्ट को ठुकरा देने को लेकर सुर्खियों में हैं। दरअसल, बीते दिनों ऐसी खबरें आईं कि दीपिका हॉलीवुड की पॉपुलर ब्लैक कॉमेडी सीरीज 'द व्हाइट लोटस' के चौथे सीजन में नजर आ सकती हैं। मगर, अब मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अभिनेत्री ने इसमें काम करने से इनकार कर दिया है। ऐसी खबरों के बीच दीपिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा किया है।

क्यों ठुकराया दीपिका ने ऑफर?

दीपिका पादुकोण भारतीय फिल्मों 'कल्कि 2' और 'स्पिरिट' से पहले ही कुछ कारणों से इनकार कर चुकी हैं। अब उन्होंने हॉलीवुड सीरीज से भी किनारा कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका ने 'द व्हाइट लोटस' सीरीज में काम करने से इसलिए मना कर दिया, क्योंकि वे अपने किरदार के लिए ऑडिशन नहीं देना चाहती थीं। वहीं, सीरीज के मेकर्स ऑडिशन लेना चाहते थे।

चुप रहना मुश्किल है

इस तरह की तमाम खबरों के बीच दीपिका पादुकोण ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसका सार यह है कि जब लोग शोर मचा रहे हों, आपको लेकर बातें हो रही हैं, तब चुप रहना चुन पाना मुश्किल होता है और यही असली ताकत है। दीपिका के पोस्ट में लिखा है, 'शांत रहना सबसे बड़ा फ्लेक्स है। कोई भी अपना आपा खो सकता है, तुरंत रिएक्ट कर सकता है। जोर से बात कर सकता है और शोर मचा सकता है। इसके लिए जीरो ताकत चाहिए। असली ताकत तब दिखती है जब अफरा-तफरी मच जाती है और आप झुकते नहीं हैं। जब ड्रामा आपको अपनी ओर खींचने की कोशिश करता है और आप जमीन पर टिके रहते हैं।

शांत रहना एक सुपरपावर है

आगे लिखा है, 'शांत रहना कमजोरी नहीं है, यह मास्टरी है। यह जानना है कि आपको कुछ भी साबित करने, सब कुछ समझाने या हर किसी पर रिएक्ट करने की जरूरत नहीं है। जब दूसरे लोग घबराकर एनर्जी खर्च करते हैं, तो आप चुपचाप, साफ और जान-बूझकर आगे बढ़ते हैं। शोर की आदी दुनिया में, शांत रहना एक जबर्दस्त सुपरपावर है'। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऑडिशन नहीं देने के फैसले के चलते दीपिका ने यह बड़ा प्रोजेक्ट ठुकरा दिया। साथ ही यह भी कहा गया है कि यह पहली बार नहीं है, जब दीपिका को इस सीरीज का ऑफर मिला हो। इससे पहले उन्हें तीसरे सीजन के दौरान भी ऑफर आया था।

भंसाली सर संग फिर काम करना है, शाहरुख खान के बगल में बैठना ही मेरा ऑस्कर

संजय लीला भंसाली की महत्वाकांक्षी वेब सीरीज 'हीरामंडी' के ताजदार आपको याद होंगे। एक्टर ताहा शाह बादुशा को इस किरदार ने खूब प्यार और नाम दिया। वह अपनी फिल्म 'पारो: द अनटोल्ड स्टोरी' ऑफ ब्राइड स्लेवरी को लेकर चर्चा में हैं, जो 98वें ऑस्कर अवॉर्ड के कंटेंशन सूची तक पहुंची। यह फिल्म खरीदी-बेची जाने वाली दुल्हनों की दुर्दशा को दिखाती है। हालांकि, ऑस्कर नॉमिनेशन में यह आगे नहीं बढ़ पाई, मगर ताहा का कहना है कि ऑस्कर में आगे पहुंचने से ज्यादा मायने इस फिल्म, इस विषय का लोगों तक पहुंचना है। बातचीत में ताहा बताते हैं शाहरुख खान को देखकर ही उन्हें एक्टर बनने का जुनून चढ़ा, फिर जब किंग खान की बगल में बैठने का मौका मिला, तो मानो जैसे उन्हें ऑस्कर मिल गया। अपनी फिल्म के बारे में वह कहते हैं, 'ब्राइड स्लेवरी यानी खरीदी गई गुलाम दुल्हनों की जिंदगी पर ना के बराबर फिल्में बनी हैं। जबकि, ऐसी करीब 7000 औरतें हैं, जिनका कोई वजूद ही नहीं है।'

ताहा शाह 'पारो' के बारे में आगे बताते हैं, 'ये औरतें अपनी उम्र से 30-35 साल बड़े आदमी के साथ ब्याह दी जाती हैं। कभी-कभी तो ये 10-15 बार बेची जाती हैं, पर इन्हें ना तो एक बीवी का हक मिलता है, ना इज्जत। आदमी का मन भर जाए तो वह उसे दोबारा बेच देता है। उस औरत, जिन्हें पारो बुलाया जाता है, उनका अपने घर, बच्चों, किसी चीज पर हक नहीं होता। हम चाहते हैं कि उन्हें वो हक और इज्जत मिले। इन औरतों को पहचान मिलना ही हमारी सबसे बड़ी कामयाबी होगी।'

शाहरुख खान को देखकर चढ़ा एक्टर बनने का जुनून

यूएई में पले-बढ़े ताहा शाह का हिंदी सिनेमा और एक्टिंग की ओर रुझान कैसे हुआ? यह पूछने पर वह बताते हैं, 'मेरी मम्मी जब यंग थीं तो एक्ट्रेस बनना चाहती थीं। उनको मौका भी मिला था, पर मेरी नानी ने मना कर दिया तो उनका सपना अधूरा रह गया। मां को फिल्मों का बहुत शौक था। वे फिल्में देखती थीं तो मैं भी देखता था। मगर एक्टिंग के बारे में नहीं सोचा था। फिर एक बार मैं वहां हो रहे अवॉर्ड शो में बहुत ही पीछे बैठा था। कुछ दिख नहीं रहा था, पर मजा आ रहा था, लेकिन तभी अचानक से लाइट्स बंद हुईं और मेरे बिल्कुल पीछे क्रेन पर शाहरुख खान खड़े थे। हम सब खुशी से चीखने लगे थे। उस वक्त मेरे अंदर भी एक्टिंग का जुनून जगा। मेरी खुशनसीबी रही कि मुझे शाहरुख खान की उपस्थिति में, उनके बगल में बैठने का मौका मिला है। वही मेरा ऑस्कर है।'

भंसाली सर संग दोबारा काम करना है

साल 2011 में फिल्म 'लव का द एंड' से करियर शुरू करने वाले ताहा को 13 साल बाद संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' से पहचान मिली। वह कहते हैं, 'मैं संजय सर का जितना शुक्रिया करूं, वह कम है, क्योंकि मैं आज जहां पर भी हूं, उनकी वजह से हूं। उन्होंने मुझे इस काबिल समझा कि मुझे ताजदार का इतना अहम रोल निभाने को दिया। मैं उम्मीद करता हूं कि मैं उसके साथ न्याय किया हो और वह मुझे दोबारा अपने गाइडेंस में काम करने का मौका दें। मैं दोबारा उनके साथ काम करना चाहूंगा। संजय सर वो हीरा हैं, जिनकी चमक में रहकर हम भी बहुत कुछ सीख जाते हैं। एक बेहतर आर्टिस्ट, बेहतर क्रिएटिव इंसान बन जाते हैं।'

मेरे पास कोई प्लान बी नहीं, मेरी सफलता में मां का 80% योगदान

ताहा का सफर और सफलता की राह बड़ी लंबी रही है। जब उनसे पूछा गया कि इस लंबे इंतजार में वह कैसे डटे रहे? तो जवाब मिला, 'मैंने हार इसलिए नहीं मानी, क्योंकि मेरा कोई दूसरा प्लान बी कभी था ही नहीं। मैं बहुत क्रिएटिव किस्म का आदमी हूं। सिर्फ एक्टिंग में ही मुझे खुशी मिलती है तो डटे रहने के अलावा मेरे पास कोई विकल्प ही नहीं था। फिर, मेरी मम्मी कहती थीं कि जब मैं नहीं थक सकती तो तुम कैसे थक सकते हैं। मेरे इस सफर में मेरा योगदान 20 पर्सेंट है, उनका 80 पर्सेंट है। उनके बिना इस उतार-चढ़ाव भरे प्रफेशन में बिल्कुल सर्वाइव नहीं कर पाता।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।